भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 13 अंक 298 | ग्वालियर,गुरूवार 13 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

किसानों की फार्मर आईडी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी सर्वे नंबर जोड़ने के निर्देश
पेज : 03

केरलम् में 'वंदे मातरम्' से परहेज ! दक्षिण भारत के अपने इतिहास को देखिए...
पेज : 04

लाला के ताल एवं तरन तारन ताल के टूटे बंधों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए भोपाल में एक्टिव हुए नव निर्वाचित विधायक घनश्यामसिंह
पेज : 06

पार्टी से ऊपर उठकर मेहगांव की एकता और समग्र विकास के लिए मिलकर काम करें : मंत्री शुक्ला
पेज : 07

सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन पर चर्चा को तैयार : अमित शाह

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से चर्चा कर इस विषय पर पर्याप्त समय आवंटित करने का अनुरोध किया है।

अमित शाह ने पत्र में कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमति दी है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के आग्रह पर पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट परीक्षा के संबंध में सदन में कोई विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए फिर तैयार है।

गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितना समय और जितने घंटे उचित समझें, उतना समय इस मुद्दे पर चर्चा के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के दौरान वह सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं। शाह ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और उनका मानना है कि सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्ष के नेताओं से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में अच्छा वातावरण बनाने का आग्रह किया ताकि पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य इस मुद्दे पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकें।

प्रदेश में निवेश से गुजरात-मध्यप्रदेश के संबंध होंगे और प्रगाढ़, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसरः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए के निवेश से औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

गुजरात के सहयोग से मध्यप्रदेश के 5000 लोगों को गारमेंट सेक्टर में मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन श्री कुलीन लालभाई से की मुलाकात

बरलाई, पीएम मित्र पार्क और बेटमा में अरविंद लिमिटेड स्थापित करेगी औद्योगिक इकाइयां

भोपाल : बुधवार, अगस्त 12, 2026, 15:46 ढ्रस्ज्ञ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के साथ मध्यप्रदेश के संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए अरविंद समूह द्वारा मध्यप्रदेश में भी अपनी इकाई स्थापित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम मित्र पार्क में अगले वर्ष तक उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अरविंद समूह द्वारा 3 स्थानों पर अपनी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें देवास के निकट बरलाई, धार स्थित पीएम मित्र पार्क और इंदौर का बेटमा शामिल हैं। कंपनी इन स्थानों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। इन औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश में युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन श्री कुलीन लालभाई से चर्चा के बाद कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग से दोनों राज्यों के संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे। औद्योगिक निवेश से एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उद्योगों से प्राप्त होने वाले कर राजस्व से राज्य के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए अरविंद लिमिटेड को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मध्यप्रदेश में कंपनी के प्रस्तावित निवेश, पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना, रोजगार सृजन, वस्त्र एवं परिधान (टेक्सटाइल) क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग तथा सिंहस्थ-2028 के लिए आधुनिक संचार व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान अपर मुख्य सचिव, उद्योग श्री नीरज मंडलोई, सचिव, उद्योग श्री जॉन किंसले तथा एमडी, एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे।

पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित : अरविंद लिमिटेड द्वारा पीएम मित्र पार्क में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए कंपनी को 105 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इंदौर में संचालित पेपकोन प्रायवेट लिमिटेड के साथ कंपनी के अनुबंध के तहत प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख परिधानों का निर्माण किया जाता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना और निवेश प्रक्रिया को गति देने पर चर्चा की। सीसीआईपी के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा शासन स्तर पर प्रस्ताव के त्वरित परीक्षण एवं अनुमोदन की दिशा में आवश्यक कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श हुआ। वस्त्र एवं परिधान उद्योगों के लिए उपलब्ध निवेश प्रोत्साहनों की जानकारी भी दी गई। इनमें पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान, स्टॉम्प एवं पंजीयन शुल्क की प्रतिपूर्ति, ग्रीन इंडस्ट्रियलाइजेशन तथा अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के लिए सहायता सहित अन्य प्रावधान शामिल हैं।

औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग को मिलेगा बढ़ावा : औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज समाधान की संभावनाओं पर भी विचार हुआ। मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे 90 से अधिक औद्योगिक पार्कों में टेक्सटाइल, फार्मा एवं अन्य औद्योगिक क्लस्टरों में कॉमन जेडएलडी प्रणालियों की स्थापना की संभावनाओं पर चर्चा की गई। औद्योगिक पार्कों को निकटवर्ती नगर निगमों के एसटीपी से जोड़कर सर्कुलर वॉटर इकोनॉमी' मॉडल विकसित करने के सुझाव पर भी विचार हुआ।

सिंहस्थ-2028 में आधुनिक संचार व्यवस्था के उपयोग की तैयारी : सिंहस्थ-2028 में मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। अरविंद लिमिटेड एवं जेएम बक्सी समूह के संयुक्त उद्यम आर्य ऑम्निटॉक सॉल्यूशंस द्वारा मिशन-क्रिटिकल वायरलेस कम्युनिकेशन, वॉकी-टॉकी नेटवर्क, पीएमआरटी तथा सार्वजनिक सुरक्षा संचार समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं।सिंहस्थ-2028 में पुलिस, सुरक्षा बल, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आयोजन प्रबंधन के लिए इस प्रकार के मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीआईएस-2027 के लिए किया आमंत्रित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री कुलीन लालभाई को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2027 में सहभागिता के लिए भी आमंत्रित किया। अरविंद लिमिटेड देश के प्रमुख टेक्सटाइल समूहों में शामिल है। वर्ष 1931 में स्थापित कंपनी का मुख्यालय अहमदाबाद में है। कंपनी डेनिम, परिधान, फैब्रिक्स एवं टेक्सटाइल वैल्यू चेन के क्षेत्र में कार्यरत है। समूह की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में 60 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त है तथा कंपनी एक लाख से अधिक कपास उत्पादन करने वाले कृषकों से कच्चे माल की खरीद करती है।

संक्षिप्त समाचार

जगतार सिंह हवारा की पैरोल के लिए राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री मान

- राज्यपाल की सिफारिश पर केंद्र सरकार लेगी फैसला

चंडीगढ़, 12 अगस्त (हि.स.)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बेअंत सिंह की हत्या के दोषी जगतार सिंह हवारा की पैरोल का मामला गरमा गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर जगतार सिंह हवारा को मानवीय आधार पर 10 दिन की पैरोल देने के लिए सिफारिश करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 साल बाद उनकी बीमार माता के अपने बेटे से मिलने की उम्मीद फिर से जगी है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस मामले में राज्यपाल की सिफारिश आवश्यक है, क्योंकि मामले की सुनवाई दिल्ली में चल रही है। उन्होंने साथ ही भरोसा दिलाया कि यदि हवारा को पैरोल दी जाती है, तो पंजाब सरकार कानून-व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़ने देने के लिए पूरी जिम्मेदारी निभाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जगतार सिंह हवारा पिछले 31 वर्षों से जेल में बंद हैं। उनकी माता वृद्धावस्था में हैं, उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं और इस समय अर्ध-बेहोशी की अवस्था में हैं। उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मैंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे जगतार सिंह हवारा को जल्द से जल्द 10 दिन की पैरोल देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें, ताकि वह अपनी माता से मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगतार सिंह हवारा के अपने घर आने के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने की राज्य सरकार पूरी गारंटी लेती है। उनके समर्थकों और परिवार के सदस्यों ने भी इस संबंध में राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर युवाओं से किया दूसरों के संघर्ष से सीख लेने आग्रह

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरे लोगों के जीवन के संघर्षों से सीख लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि रील और सोशल मीडिया के दौर में शॉर्टकट की प्रवृत्ति बढ़ रही है। युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट छोटा कर देता है। आत्मकथाओं के जरिए किसी व्यक्ति के जीवन के साथ उस दौर के इतिहास को भी करीब से समझा जा सकता है।

उन्होंने यह विचार पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स के लोकार्पण समारोह में व्यक्त किए। मोदी ने कहा कि कोविंद की जीवन यात्रा, उनके संघर्ष और देश के लिए योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज के लिए धरोहर बनेगी। पुस्तक का शीर्षक यह संदेश देता है कि पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के जीवन के संघर्ष व्यक्तिगत थे, लेकिन उनसे मिली सफलता भारत के गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। मोदी ने उनके साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति को करीब से जानने और राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन पाने का अवसर मिला। उन्होंने कोविंद के स्नेह और आत्मीयता को अपनी बड़ी पूंजी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद ने सामान्य परिवार से निकलकर अपनी मेहनत और क्षमता के बल पर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का सफर तय किया। उन्होंने कहा कि कानपुर देहात में एक सामान्य परिवार में जन्मे कोविंद के घर में एक बार आग लग गई थी। इस हादसे में उनकी मां की मृत्यु हो गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी कम उम्र में मां को खोना बेहद दर्दनाक था, लेकिन कोविंद इन परिस्थितियों से टूटे नहीं बल्कि और मजबूत होकर आगे बढ़े। पड़ोस की एक महिला ने उनके पालन-पोषण में मदद की, जबकि उनके पिता ने परिवार को संभाला और बच्चों को संस्कार दिए। कोविंद अपने पिता को अपना हीरो मानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद ने बचपन की कठिन परिस्थितियों के बीच शिक्षा को अपनी ताकत बनाया। संसाधनों की कमी को उन्होंने कमजोरी नहीं बनने दिया और मेहनत के बल पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्रपति पद तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कोविंद की सादगी और विनम्रता बनी रही। मोदी ने कहा कि वह प्रोटोकॉल से अलग राष्ट्रपति भवन में अपने कार्यकाल में आत्मीयता के साथ व्यवहार करते थे और प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए गाड़ी तक आते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद कोविंद जब अपने गांव परौंख गए तो उन्होंने अपने गुरुओं के पैर छुए और गांव की मिट्टी को नमन किया। उनके इस आचरण ने दुनिया के सामने भारतीय संस्कारों की तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि कोविंद का जीवन उस भारत के सपने को साकार करने का उदाहरण है, जहां गरीब और वंचित व्यक्ति भी अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। मोदी ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां समाज के अंतिम व्यक्ति को भी आगे बढ़ने का अवसर मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से मुश्किल परिस्थितियों से हार न मानने की अपील की।

दिल्ली के नए मास्टर प्लान 2047 को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के नए मास्टर प्लान 2047 को मंजूरी दी है। उन्होने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए के उपाध्यक्ष, प्राधिकरण के सदस्य और संबंधित विभागों व एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। उपराज्यपाल ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह प्लान दिल्ली के दीर्घकालिक विजन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत 2047 मिशन के अनुरूप बनाता है। उन्होंने कहा कि बैठक में सतत और समावेशी शहरी विकास के लिए एक रोडमैप पर चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' को बेहतर बनाना और सभी के लिए एक साफ-सुथरी और हरी-भरी राजधानी बनाना है।

रेलवन ऐप के डाउनलोड 4.76 करोड़ के पार, रोजाना औसतन 10 लाख टिकट बुकिंग

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। भारतीय रेलवे के रेलवन ऐप के डाउनलोड की संख्या 4.76 करोड़ से अधिक हो गई है और इस ऐप के माध्यम से रोजाना औसतन 10 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं। इनमें 2.79 लाख आरक्षित और 7.24 लाख अनारक्षित टिकट शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों को आरक्षित और अनारक्षित टिकट मोबाइल फोन से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवन ऐप को 01 जुलाई 2025 को शुरू किया गया था। रेलवन ऐप पर भारतीय रेलवे की यात्रियों से जुड़ी कई सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। इनमें आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, ट्रेन की जानकारी, पीएनआर की जानकारी और रेल मदद जैसी सेवाएं शामिल हैं। एक ही लॉगिन के जरिए इन सेवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग रेलवे ऐप डाउनलोड करने और कई पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं पड़ती।

मानसून सत्र में कांग्रेस ने चर्चा से भागकर देश की लोकतांत्रिक मर्यादा को किया तार-तारः नितिन नवीन

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर देश की जनता को गुमराह करने, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया। बुधवार को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने एक बयान में कहा कि संसद लोकतंत्र का वह पवित्र मंदिर है, जहां जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा से देश की दिशा तय होती है लेकिन इस बार के मानसून सत्र में गैरजिम्मेदार कांग्रेस ने चर्चा से भाग कर और बार-बार अपना गोलपोस्ट चेंज कर देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और गरिमा को ही तार-तार कर दिया। वास्तव में कांग्रेस ने देश की जनता को धोखा दिया है। इस पूरे सत्र में राहुल गांधी और समूचे विपक्ष का रवैया उनकी अराजक मानसिकता और लोकतंत्र-विरोधी सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि पूरा सत्र बीतने को है, पर वे एक भी मुद्दे पर गंभीर चर्चा के लिए तैयार नहीं हुए। पहले उन्होंने युवाओं के विषय पर चर्चा करने की मांग की, और जब सरकार इसके लिए पूरी तरह तैयार हो गई, तो कांग्रेस और इंडी गठबंधन यह कहकर भाग खड़ा हुआ कि उन्हें कोई चर्चा ही नहीं करनी है। नितिन नवीन ने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष लगातार जनता के मुद्दों से भागता रहा। आखिर विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा था? यह साफ तौर पर दिखाता है कि विपक्ष मुद्दों को लेकर न तो संजीदा है और न ही गंभीर। संसद में कई नए सांसदों का यह पहला सत्र था। विपक्ष ने केवल हंगामा करके उन नए सांसदों के सामने हमारे लोकतंत्र की एक बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश की है। इनके इस अड़ियल रवैये के कारण देश प्रश्नकाल से भी वंचित रह गया और लोकतंत्र के इस मंदिर में जनता से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात तक नहीं हो सकी।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन 19वें दिन जारी

रांची, 12 अगस्त (हि.स.)। जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच समेत अन्य मांगों को लेकर छात्रों का आंदोलन बुधवार को लगातार 19वें दिन भी जारी रहा। वहीं, आमरण अनशन का नौवां दिन रहा। आंदोलनकारी छात्र परीक्षाओं में पारदर्शिता, कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

आंदोलनकारी छात्र विनय मेहता ने कहा कि छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में शांतिपूर्ण तरीके से आमरण अनशन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। देर रात धरना स्थल पर पुलिस प्रशासन की सक्रियता को लेकर उन्होंने आशंका जताई कि कहीं आंदोलन को दबाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

इसी बीच, आंदोलनकारी उम्मा हबीब की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले छात्र-अभ्यर्थी राहुल कुमार और देवेंद्रनाथ महतो को भी सदर अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया था। आंदोलनकारियों ने कहा कि अनशनकारियों का इलाज जारी रहने के बावजूद देर रात धरना स्थल पर प्रशासन की मौजूदगी कई सवाल खड़े करती है। छात्र आंदोलनकारी कुणाल प्रताप सिंह समेत अन्य ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मामलों में उठे सवालों का स्पष्ट और संतोषजनक समाधान जरूरी है। उनका आरोप है कि सरकार मामले की गंभीरता से बचने का प्रयास कर रही है।

स्वामी / प्रकाशक/ मुद्रक / संपादक- रविन्द्र सिंह नवरंग, रविन्द्र प्रिंटर्स, कनक गार्डन गोले का मंदिर ग्वालियर (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रित। मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र ग्वालियर ही होगा।
RNI No. : MPHIN/2014/65180 email : sachtimes101@gmail.com

बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़! तेज बहाव के बीच पुलिया पार करते दिखे स्कूली वाहन

अहेली नदी की पुलिया पर बह रहा पानी, वायरल वीडियो ने खोली लापरवाही की पोल; हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन?

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। बारिश के मौसम में नदी-नालों के उफान पर आने के साथ ही प्रशासन द्वारा बार-बार लोगों को सावधानी बरतने की हिदायत दी जाती है, लेकिन श्योपुर जिले में सामने आया एक वीडियो इन तमाम चेतावनियों पर सवाल खड़े कर रहा है। बोरदा देव से मकड़ावदा गांव जाने वाले मार्ग पर अहेली नदी की पुलिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुलिया के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजरता दिखाई दे रहा है। हैरानी की बात यह है कि इसी दौरान स्कूली वैन और बसें बच्चों को लेकर पुलिया पार करती नजर आ रही हैं।

तेज बहते पानी के बीच स्कूली वाहनों का पुलिया पार करना किसी बड़े हादसे को न्योता देने से कम नहीं है। यदि पानी का बहाव अचानक बढ़ जाए या वाहन का संतुलन बिगड़ जाए तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी इतनी बड़ी लापरवाही के बावजूद स्कूली वाहनों को इस मार्ग से गुजरने की अनुमति कैसे दी जा रही है?

पुलिया के ऊपर पानी, फिर भी नहीं रुके वाहन

वायरल वीडियो में अहेली नदी का पानी पुलिया के ऊपर से बहता हुआ दिखाई दे रहा है। पानी का बहाव सामान्य नहीं बल्कि तेज नजर आ रहा है। इसके बावजूद स्कूली वाहन बिना रुके पुलिया पार करते दिखाई दे रहे हैं।

बारिश के दौरान नदी का जलस्तर लगातार बदलता रहता है। कुछ ही समय में बहाव बढ़ सकता है और ऐसी स्थिति में पुलिया पार करना जोखिम भरा हो सकता है। खासकर जब वाहन में छोटे-छोटे बच्चे सवार हों, तब सावधानी की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

हादसा हुआ तो जिम्मेदारी किसकी?

सबसे गंभीर सवाल यही है कि यदि तेज बहाव के बीच पुलिया पार करते समय कोई स्कूली वाहन बहाव की चपेट में आ गया तो जिम्मेदारी किसकी होगी?

क्या स्कूल प्रबंधन ने मौसम और नदी के जलस्तर की स्थिति को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा का आकलन किया? क्या वाहन चालकों को जलभराव और तेज बहाव वाली पुलिया पार नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं? क्या संबंधित विभाग इस मार्ग की निगरानी कर रहा है?

वायरल वीडियो सामने आने के बाद इन सवालों का जवाब बेहद जरूरी हो गया है।

बारिश में बढ़ जाता है खतरा

नदी के ऊपर बनी पुलिया पर पानी आने के बाद सड़क और पुलिया की वास्तविक स्थिति कई बार दिखाई नहीं देती। पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो सकता है। ऐसे में वाहन चालक यदि पुलिया पार करने का प्रयास करते हैं तो जरा-सी चूक गंभीर परिणाम दे सकती है।

बच्चों को लेकर चलने वाले वाहनों के मामले में तो अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता है। कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी कहीं बच्चों की सुरक्षा पर भारी न पड़ जाए, यह चिंता अब अभिभावकों के बीच भी उठना स्वाभाविक है।

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

वायरल वीडियो के बाद संबंधित प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग उठ रही है कि मामले का तत्काल संज्ञान लिया जाए। अहेली नदी की पुलिया पर जलस्तर और बहाव की स्थिति का निरीक्षण कराया जाए तथा जब तक पुलिया सुरक्षित रूप से आवागमन योग्य न हो, तब तक स्कूली वाहनों को वहां से गुजरने से रोका जाए।

साथ ही संबंधित स्कूल प्रबंधन और वाहन संचालकों को बारिश के दौरान नदी-नालों की पुलिया पार करने को लेकर स्पष्ट सुरक्षा निर्देश जारी किए जाने की जरूरत है।

सवाल सिर्फ एक पुलिया का नहीं, बच्चों की सुरक्षा का है

यह मामला महज यातायात व्यवस्था या सड़क सुरक्षा का नहीं है। जब किसी वाहन में स्कूली बच्चे सवार हों तो उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नदी में तेज बहाव के बीच पुलिया पार करना सामान्य यातायात नहीं माना जा सकता।

अब देखना यह है कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर किसी अनहोनी का इंतजार किया जाएगा।

बड़ा सवाल यही है—क्या बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन किसी हादसे का इंतजार करेगा?

लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर कलेक्टर की सख्ती, नायब तहसीलदार और तहसीलदार पर जुर्माना

समय सीमा में सेवाएं नहीं देने पर 4 हजार रुपए की शास्ति, भूमि सीमांकन और नामांतरण के प्रकरणों में हुई देरी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आम नागरिकों को निर्धारित समय सीमा में सरकारी सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने पर कलेक्टर शीला दाहिमा ने सख्त कार्रवाई की है। समय सीमा में आवेदनों का निराकरण नहीं करने पर नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार पर कुल 4 हजार रुपए की शास्ति अधिरोपित की गई है।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण कर नागरिकों को संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसके बावजूद प्रकरणों में देरी सामने आने पर प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारियों पर आर्थिक दंड लगाया है।

नायब तहसीलदार पर 3500 रुपए की शास्ति

प्रबंधक लोक सेवा योगेश पुरोहित ने बताया कि नायब तहसीलदार वृत्त पहेला नरेन्द्र जैन पर कुल 3500 रुपए की शास्ति लगाई गई है।

उनके समक्ष आवेदक बलवीर सिंह एवं मैदाबाई जाटव के भूमि सीमांकन से संबंधित आवेदन लंबित थे। दोनों प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया। एक आवेदन में 8 दिन तथा दूसरे में 6 दिन की देरी हुई।

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्रति दिवस 250 रुपए की दर से कुल 14 दिवस की देरी के लिए 3500 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

नामांतरण में एक दिन की देरी, तहसीलदार पर 500 रुपए जुर्माना

इसी प्रकार तहसीलदार वीरपुर वीरेन्द्र सिंह बघेल पर आवेदक दिनेश सिंघल के अविवादित नामांतरण संबंधी आवेदन का निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं करने पर 500 रुपए की शास्ति अधिरोपित की गई है। प्रकरण के निराकरण में एक दिन की देरी सामने आई थी।

समय सीमा की अनदेखी पड़ेगी भारी

प्रशासन की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। निर्धारित समय सीमा में आवेदन का निराकरण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

कलेक्टर की इस कार्रवाई से राजस्व अधिकारियों में भी यह संदेश गया है कि आम नागरिकों से जुड़े सेवा प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना अब भारी पड़ सकता है

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में भेदभाव के आरोप, छात्रों ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

कार्यक्रमों की अनुमति और छात्र समस्याओं को लेकर उठे सवाल, उच्च शिक्षा आयुक्त के नाम सौंपा शिकायत पत्र

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज श्योपुर में विद्यार्थियों के साथ कथित भेदभाव, छात्र समस्याओं को लेकर आवाज उठाने पर दबाव बनाए जाने तथा विभिन्न छात्र संगठनों को कार्यक्रमों की अनुमति देने में कथित असमानता के आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर विद्यार्थियों एवं छात्र नेताओं ने उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के आयुक्त के नाम शिकायत प्रस्तुत कर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

छात्र नेताओं का आरोप है कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान, छात्र संगठनों को कार्यक्रमों की अनुमति तथा कॉलेज परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।

'कॉलेज किसी संगठन का केंद्र नहीं, विद्यार्थियों का शिक्षण संस्थान' शिकायत प्रस्तुत करने वाले छात्र नेताओं ने कहा कि महाविद्यालय किसी राजनीतिक या संगठनात्मक पक्ष का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का शिक्षण संस्थान है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी और प्रत्येक छात्र संगठन के साथ समान, निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर भेदभाव या नियमों का उल्लंघन हुआ है तो इसकी स्वतंत्र जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

विद्यार्थियों और शिक्षकों से स्वतंत्र जानकारी लेने की मांग

छात्र नेताओं ने महाविद्यालय की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण और प्रशासनिक जवाबदेही की भी जांच की मांग की। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से आग्रह किया गया कि जांच के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से स्वतंत्र रूप से जानकारी लेकर पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शिकायत किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के अधिकार, समानता, पारदर्शिता और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए है।

ये छात्र नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश सचिव हस्ढ्ढ गिरिराज बढ़ोरियां, विधायक प्रतिनिधि अभिषेक मीणा बमोरी, गुरुदत्त चौहान, शिवम सिंह शिशोदिया, ऋतिक बंचोलिया, हनुमान प्रजापति, गोलू बमोरी, शिवम मीणा, विकास बैरवा, रामरूप बैरवा, ललित मीणा, शिव मीणा, मोहित जांगिड़ एवं हिमांशु माहौर सहित अन्य छात्र एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अब विद्यार्थियों की नजर उच्च शिक्षा विभाग की संभावित जांच और कार्रवाई पर है। छात्र नेताओं ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई तथा महाविद्यालय में सभी विद्यार्थियों के लिए समान एवं पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित करने की मांग की है।

तिरंगे के रंग में रंगा श्योपुर, बड़ौदा से ढोढर-बगवाज तक निकली देशभक्ति की रैली

हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यार्थियों और आयुष विभाग के अमले ने लिया हिस्सा, गूंजे देशभक्ति के जयकारे

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में 09 से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान व्यापक जनभागीदारी के साथ चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार को बड़ौदा, ढोढर और बगवाज में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया गया।

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में शिक्षा एवं आयुष विभाग द्वारा आयोजित इन रैलियों में आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

बच्चों में दिखा देशभक्ति का उत्साह

बड़ौदा, ढोढर और बगवाज में निकली तिरंगा रैलियों के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह नजर आया। रैली के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया।

आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी हुए शामिल

जिला आयुष अधिकारी डॉ. जीपी वर्मा ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयुष एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से तीनों स्थानों पर तिरंगा रैलियां आयोजित की गईं। इनमें विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के साथ स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य केवल तिरंगा फहराना ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना भी है।

न्यायिक अधिकारियों-कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर पहल, 250 लोगों के लिए हुई ब्लड टेस्ट सैंपलिंग

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, अभियोजन अधिकारियों, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की पहल 'उल्लासः एक अभिनव प्रयोग' के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्योपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वावधान एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बी.एल. प्रजापति के मार्गदर्शन में 15 अगस्त को प्रस्तावित निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर की तैयारियों के तहत बुधवार को रक्त नमूना संग्रहण शिविर आयोजित किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने फीता काटकर किया शुभारंभ : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्योपुर में आयोजित शिविर का विधिवत शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी.एल. प्रजापति ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'उल्लासः एक अभिनव प्रयोग' के माध्यम से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा न्यायालयों में पदस्थ न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वस्थ और जागरूक कार्य परिवेश न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

250 प्रतिभागियों के लिए लिए गए रक्त नमूने

जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य ने बताया कि जिला चिकित्सालय श्योपुर से पहुंची विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल एवं आवश्यक सावधानियों के साथ लगभग 250 प्रतिभागियों के रक्त नमूने लिए।

इसके साथ ही 177 प्रतिभागियों के आभा कार्ड का पंजीयन भी किया गया। रक्त नमूनों की जांच रिपोर्ट के आधार पर 15 अगस्त को आयोजित होने वाले मेगा स्वास्थ्य शिविर में संबंधित प्रतिभागियों को आवश्यक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति किया जागरूक : शिविर के दौरान जिला चिकित्सालय की चिकित्सा टीम ने प्रतिभागियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व की जानकारी दी। स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्त नमूना संग्रहण की पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से निर्धारित चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप पूरा किया। इस पहल का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना भी है।

15 अगस्त को होगा मेगा स्वास्थ्य शिविर

रक्त जांच की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद 15 अगस्त 2026 को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रतिभागियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आवश्यक उपचार, परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता एवं स्वास्थ्य दल रहा मौजूद : शुभारंभ अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय संजय कुमार, विशेष न्यायाधीश सुशील कुमार, जिला न्यायाधीश प्रतिष्ठा अवस्थी एवं बबीता हौरा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संध्या मरावी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमोघ अग्रवाल, मनदीप कौर सेहमी, ऋचा भट्ट एवं पूर्वी राय, जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, सचिव शरद जैन सहित न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

रक्त नमूना संग्रहण, पैथोलॉजी जांच एवं आभा आईडी पंजीयन के लिए गठित चिकित्सीय दल में नर्सिंग ऑफिसर ममता राजौरिया, लैब टेक्नीशियन अरविंद पटेल, लैब सहायक योगेन्द्र भदौरिया, डाटा एंट्री ऑपरेटर अरविंद शाक्य सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

14 अगस्त को श्योपुर में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला के नेतृत्व में जयस्तंभ चौक से निकलेगी यात्रा, कलेक्टर शीला दाहिमा ने की जिलेवासियों से सहभागिता की अपील

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को पूरे जोश, उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से 14 अगस्त को श्योपुर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित होने वाली इस यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कलेक्टर शीला दाहिमा ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे तिरंगा यात्रा में उत्साहपूर्वक शामिल होकर राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का संदेश दें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश के गौरव, अस्मिता और स्वाभिमान से जुड़ा अवसर है।

जयस्तंभ चौक से शुरू होगी तिरंगा यात्रा

कलेक्टर ने बताया कि 14 अगस्त को जयस्तंभ चौक से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस से पूर्व शहर में देशभक्ति का वातावरण तैयार करना और आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ना है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि 15 अगस्त को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी अस्मिता, स्वाभिमान और राष्ट्रीयता का प्रतीक है, इसलिए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाए।

विद्यालयों से लेकर एनसीसी-एनएसएस तक होंगे शामिल : तिरंगा यात्रा में शहर के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भी सहभागिता करेंगे। इसके अलावा स्काउट गाइड, शौर्यदल, एनएसएस और एनसीसी के सदस्य भी यात्रा में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने सभी समाजों, सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, खिलाड़ियों और धर्मगुरुओं से भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

भव्य आयोजन के लिए सभी से सहयोग की अपील कलेक्टर शीला दाहिमा ने कहा कि तिरंगा यात्रा को भव्य और यादगार बनाने में जिले के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल होकर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश दें।

14 अगस्त की तिरंगा यात्रा के बाद 15 अगस्त को जिलेभर में स्वतंत्रता दिवस समारोह और हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

किसानों की फार्मर आईडी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सभी सर्वे नंबर जोड़ने के निर्देश

प्रमुख सचिव राजस्व ने ली पाक्षिक समीक्षा बैठक, पीएम किसान से जुड़े आवेदनों के त्वरित निराकरण पर भी जोर

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। राजस्व विभाग की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई. रमेश कुमार ने बुधवार को पाक्षिक समीक्षा बैठक ली। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं राजस्व अधिकारी वर्चुअली जुड़े। बैठक में वर्षा की स्थिति सहित किसानों और राजस्व विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एक भी किसान फार्मर आईडी से न रहे वंचित

प्रमुख सचिव डॉ. ई. रमेश कुमार ने एग्रीस्टेक परियोजना की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाए और कोई भी किसान इससे वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन किसानों के पास एक से अधिक सर्वे नंबर में भूमि दर्ज है, उनकी सभी भूमियों और सर्वे नंबरों को फार्मर आईडी से जोड़ा जाए, ताकि किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदनों का हो प्राथमिकता से निराकरण

बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की भी समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए।

उन्होंने जिला स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा करने और लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निपटाने के निर्देश दिए, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी न हो।

स्वामित्व योजना सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रदेश में वर्षा की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही स्वामित्व योजना सहित राजस्व विभाग की अन्य योजनाओं और विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए।

श्योपुर से अधिकारी वीसी में जुड़े

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एनआईसी कक्ष श्योपुर से कलेक्टर शीला दाहिमा, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा, एसडीएम कराहल बीएस श्रीवास्तव, एसडीएम विजयपुर अभिषेक मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर शिवलाल शाक्य सहित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद अब राजस्व अमले के सामने किसानों की फार्मर आईडी बनाने, सभी सर्वे नंबरों को जोड़ने तथा पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण की जिम्मेदारी है। खास बात यह रही कि शासन स्तर से एक भी पात्र किसान फार्मर आईडी से छूट न जाए, इसे लेकर स्पष्ट रूप से प्राथमिकता तय की गई है।

अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला, जान बचाकर भागे कर्मचारी

खाड़ी-श्यामपुर रेंज की मोरेका बीट में कार्रवाई के दौरान लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला; वन अमले की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। वनभूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर अतिक्रमणकारियों द्वारा कथित रूप से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। खाड़ी/श्यामपुर रेंज की मोरेका बीट में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किए जाने की बात सामने आई है। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और वनकर्मियों को अपनी जान बचाकर वहां से पीछे हटना पड़ा।

कार्रवाई शुरू होते ही बरसने लगे पत्थर : बताया जा रहा है कि वन विभाग का अमला मोरेका बीट में वनभूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए पहुंचा था। टीम द्वारा कार्रवाई शुरू किए जाने के दौरान कथित तौर पर कुछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए वनकर्मियों के साथ विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि वन अमले पर लाठी-डंडों से हमला और पत्थरबाजी शुरू हो गई।

अचानक हुए इस हमले से वनकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। स्थिति बिगड़ती देख कर्मचारियों ने किसी तरह मौके से हटकर अपनी जान बचाई।

सरकारी जमीन की कार्रवाई पर हमला क्यों?

घटना ने वन विभाग की कार्रवाई और मैदानी अमले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए पहुंचने वाले सरकारी कर्मचारियों पर यदि इसी तरह हमले होते रहे तो वन विभाग की कार्रवाई किस तरह प्रभावी ढंग से हो पाएगी, यह बड़ा सवाल है।

सबसे गंभीर सवाल यह भी है कि क्या वन अमले को अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी? यदि टीम को पहले से विरोध की आशंका थी तो सुरक्षा बल की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

वनकर्मियों की सुरक्षा पर उठे सवाल : मैदानी स्तर पर वनभूमि की सुरक्षा और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी संभालने वाले वनकर्मियों के सामने यह घटना चुनौती के रूप में सामने आई है। यदि सरकारी कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों पर खुलेआम लाठी-डंडे और पत्थर चलाए जाते हैं और उन्हें जान बचाकर पीछे हटना पड़ता है, तो यह केवल एक विभागीय घटना नहीं बल्कि कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला है।

वन विभाग को अब यह स्पष्ट करना होगा कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई और भविष्य में ऐसी कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए क्या ठोस व्यवस्था की जाएगी।

अतिक्रमण हटेगा या हमलावरों का हौसला बढ़ेगा?

वनभूमि पर अतिक्रमण लंबे समय से वन विभाग के लिए चुनौती बना हुआ है। ऐसे में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर हमला होने से यह सवाल और गंभीर हो गया है कि आखिर सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई के दौरान कानून का डर क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

अब निगाहें वन विभाग और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर हैं। यदि हमले के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होती है तो इससे सरकारी अमले का मनोबल मजबूत होगा। लेकिन यदि मामला केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहा तो भविष्य में वनभूमि पर कार्रवाई करने वाले कर्मचारियों के सामने ऐसी घटनाओं का खतरा और बढ़ सकता है।

फिलहाल घटना के बाद वन अमले की सुरक्षा और मोरेका बीट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर प्रशासन के अगले कदम पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के नेतृत्व में शिवपुरी में निकाली गई विशाल 'तिरंगा रैली'

शिवपुरी (निज संवाददाता)। 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन शिवपुरी द्वारा शहर में एक विशाल पैदल 'तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र छात्राओं ने सहभागिता की। इस दौरान आमजनों को राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही राष्ट्र ध्वज के सम्मान तथा देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संदेश देते हुए सभी से हर घर पर गर्व से तिरंगा फहराने की अपील की गई।

शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी तिरंगा यात्रा : यह पैदल तिरंगा यात्रा शहर के ऐतिहासिक पोलो ग्राउंड से प्रारंभ हुई। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा की अगुवाई में सभी प्रतिभागी हाथों में

राष्ट्रध्वज थामे पैदल चलते हुए अस्पताल चौराहा, माधव चौक चौराहा और गुरुद्वारा चौक सहित शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों और व्यस्त बाजारों से होकर गुजरे। रैली में शामिल स्कूली छात्र-छात्राएं नागरिकों और विद्यार्थियों द्वारा लगाए जा रहे देशभक्तिपूर्ण जयघोषों से पूरा मार्ग गूंज उठा। रैली के माध्यम से शहरवासियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता और जनभागीदारी की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

आयोजन के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा अमित यादव, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों से सहभागिता की अपील

इस तिरंगा रैली के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा समस्त नगरवासियों से अपील की गई कि 9 से 17 अगस्त तक चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान की अवधि के दौरान सभी नागरिक अपने-अपने घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराएं और इस राष्ट्रीय उत्सव में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराएं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री आर. डी. प्रजापति द्वारा ऑटो यूनियन के सहयोग से तिरंगा रैली को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश स्तर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा समस्त जिलों को अभियान के अंतर्गत तिरंगे की शान मे अधिक से अधिक कार्यक्रम कर लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने हेतु निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी आर. डी. प्रजापति के मार्गदर्शन में शिवपुरी पुलिस द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें थाना स्तर पर थानों द्वारा गणमान्य नागरिकों, स्कूली बच्चों व जन प्रतिनिधियों के साथ तिरंगे से सम्मान मे रैलियों का आयोजन किया गया एवं लोगों को अभियान से जुड़ने के लिये प्रोत्साहित किया है।

इसी क्रम में आज शिवपुरी पुलिस द्वारा इकाई

मुख्यालय पर ऑटो यूनियन के सहयोग से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 ऑटो शामिल हुऐ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री आर. डी. प्रजापति के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिवपुरी से तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तिरंगा रैली शहर के मुख्य मार्गों अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड, माधव चौक, गुरुद्वारा चौराहा, राजेश्वरी रोड, रूरू चौराहा होते हुए वापस पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी आर. डी. प्रजापति, रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती, यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, कोतवाली टीआई रोहित दुबे, रक्षित निरीक्षक गायत्री इटोरिया ऑटो यूनियन अध्यक्ष बनवारी लाल धाकरे, करण धानुक तथा समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

एचआईवी एड्स सघन जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

जागरूकता रैली निकालकर लोगों को दिया एचआईवी एड्स से बचाव का संदेश

मुरैना (निज संवाददाता)। नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के निर्देशन में मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित एचआईवी एड्स सघन जागरूकता अभियान का शुभारंभ मुरैना जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की जन जागरूकता रैली निकाल कर किया गया।

रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया इस अवसर पर डी एच ओ -1 डॉ. आनंद बंसल एवं जिला एड्स नियंत्रण समिति के नोडल अधिकारी डॉ. नरेन्द्र उपाध्याय जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ अजय गोयल,मीडिया प्रभारी बसंती बाजोरिया, शिवकुमारी निम, विशेष रूप से उपस्थित थी इन के अलावा परामर्शदाता आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल जोरा से संदीप सेंगर,आई सी टी सी जिला चिकित्सालय मुरैना से परामर्शदाता जय कुमार तिवारी, श्रीमती शिल्पी गुप्ता, एस टी आई काउंसलर

अतुल राठौर, लेव टेक्नीशियन अमित बसेड़िया ए आर टी से राघवेन्द्र शर्मा, अमृत प्रजापति एवं एनजीओ के प्रतिनिधि हरपाल सिंह सेंगर, गंगा राम, आशीष कुलश्रेष्ठ और समस्त स्टाफ मौजूद था रैली में लगभग 150 एनसीसी कैडेट सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा प्रतिभागिता की गई।

रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई जिस के तहत रैली में शामिल प्रतिभागियों द्वारा एड्स से बचाव एवं रोकथाम से संबंधित जागरूकता नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। साथ ही

आमजन को एचआईवी एड्स जागरूकता संबंधित पेम्पलेट्स वितरित कर एचआईवी/एड्स से बचाव, सावधानियों एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. नरेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि यह सघन जागरूकता अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी विकास खण्डों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के अलावा जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता शिविर एवं परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से आमजन को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करते हुए बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी जाएगी।

कावड़ यात्रियों पर दबंगों का खूनी हमला, शराब के लिए पैसे न देने पर कुल्हाड़ी से सिर फोड़ा; पुलिस पर भी अनदेखी के गंभीर आरोप..

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना अंतर्गत ग्राम कुश्यारा में शिव मंदिर के पास शराब के लिए पैसे न देने पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कावड़ चढ़ाकर लौट रहे एक परिवार के सदस्यों को रास्ते में रोककर दबंगों ने लाठी, डंडों और कुल्हाड़ियों से प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में एक युवक का सिर कुल्हाड़ी मारकर फाड़ दिया गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और शरीर पर कई टांके आए हैं। बीच-बचाव करने आई मां और साले को भी जातिसूचक गालियां देते हुए जमीन पर पटक-पटक कर बेरहमी से पीटा गया।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, घटना 11 अगस्त 2026 की शाम करीब 4 बजे की है। ग्राम चौकी निवासी रिंकू परिहार का भाई कावड़ लेकर आया था, जिसे चढ़ाने के बाद उनके ससुराल वाले वापस लौट रहे थे। तभी ग्राम कुश्यारा निवासी जयपाल रावत, अजय रावत और भोटा रावत ने हाथ में कुल्हाड़ी और लाठी-डंडे लेकर उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने शराब पीने के लिए रुपए मांगे और रुपए न देने पर मोबाइल छीन लिया। विरोध करने पर मां-बहन की गालियां देते हुए नीच जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया गया।

आरोप है कि जयपाल रावत ने प्रार्थी रिंकू परिहार के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर मरणासन्न हालत में गिर पड़े। वहीं अजय ने लाठी से हमला किया। जब प्रार्थी की मां और साले अजय परिहार ने बीच-बचाव करना चाहा, तो दबंगों ने मां के बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर घसीटा और लात-घूंसों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पीड़ितों का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद जब वे थाना सिरसौद रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे, तो पुलिस ने न तो एफआईआर दर्ज की और न ही गंभीर धाराओं में मामला बनाया। पुलिस केवल उन्हें जिला अस्पताल शिवपुरी में भर्ती कराकर वापस लौट गई।

पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी पक्ष संख्याबल में अधिक, धनबल से संपन्न और राजनीतिक पहुंच वाला है। थाने पर सुनवाई न होने से हौसले बुलंद दबंग अब लगातार गांव चौकी आकर कट्टा व बंदूक से हत्या करने की धमकी दे रहे हैं, रास्ता रोककर खेती-किसानी करने से रोक रहे हैं और रात को घर के बाहर आकर हथियारों से फायर भी कर रहे हैं। इस खौफ के साए में पूरा परिवार डरा-सहमा है। पीड़ित रिंकू परिहार और गुड्डी पत्नी अखैराज परिहार ने आज बुधवार की दोपहर 2 बजे पुलिस अधीक्षक महोदय को आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी करने और परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की गुहार लगाई है

शिवपुरी विधायक प्रीतम सिंह लोधी का पुलिस ने काटा चालान मामला तिरंगा रैली का...

पिछोर (निज संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस से पहले बुधवार को पिछोर नगर देशभक्ति के रंग में डूबा नजर आया। सड़कों पर लहराता तिरंगा, हाथों में राष्ट्रध्वज और गूंजते देशभक्ति के नारों के बीच हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य बाइक रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवाओं ने बाइक पर सवार होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने का संदेश दिया,वही इस तिरंगा यात्रा में पुलिस ने यातायात नियमो का उलघन्न करने पर पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का चालान काट दिया।

रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने रेस्ट हाउस स्थित जन सेवा कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर किया। रैली शुरू होते ही बड़ी संख्या में बाइक सवार युवा तिरंगा लेकर सड़कों पर निकल पड़े। माहौल में देशभक्ति का जोश दिखाई दिया और भारत माता की जय तथा हर घर तिरंगा के नारों से नगर गूंज उठा।

तिरंगे के साथ निकला देशभक्ति का कारवां

बाइक रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते में लोगों ने रैली को देखा तो जगह-जगह देशभक्ति का माहौल नजर आया। बाइक पर लगे और हाथों में थामे तिरंगे हवा में लहराते रहे। युवाओं में रैली को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। रैली का समापन डांग बंगले पर हुआ, जहां देशभक्ति और राष्ट्रध्वज के सम्मान का संदेश

दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा।

रैली के बीच विधायक ने खुद कटवाया चालान : इस बाइक रैली के दौरान एक ऐसा प्रसंग भी सामने आया, जिसने पूरे आयोजन को अलग संदेश दे दिया। पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बाइक सवारों को रोका और यातायात नियमों का पालन कराने की कार्रवाई की। इसी दौरान विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने कानून का सम्मान करते हुए स्वयं अपनी बाइक का चालान कटवाया। विधायक के इस कदम को मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने सराहा।

विधायक ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे खुद भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने बाइक चलाने वाले युवाओं और क्षेत्रवासियों से हमेशा हेलमेट पहनने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

देशभक्ति के साथ अनुशासन का संदेश

विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने का दिन भी है। देशभक्ति तभी सार्थक होगी, जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें। उन्होंने लोगों से अपील की कि 15 अगस्त को पिछोर के हर घर पर तिरंगा फहराया जाए** और पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया जाए।

हमने चांद पर तिरंगा छापा

रैली को संबोधित करते हुए विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा, पाकिस्तान ने झंडे पर चांद छापा है और हमने चांद पर तिरंगा छापा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य केवल घरों पर राष्ट्रध्वज लगाना नहीं, बल्कि लोगों के मन में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर परिवार को अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना व्यक्त करनी चाहिए।

चालान ने दिया अलग संदेश

देशभक्ति के नारों के बीच विधायक द्वारा खुद अपनी बाइक का चालान कटवाने का घटनाक्रम रैली में चर्चा का विषय रहा। विधायक ने इसे कानून के प्रति सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी केवल आम नागरिक की नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की भी है। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं और युवाओं से भी यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनकर बाइक चलाने और सड़क पर अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। इस तरह पिछोर में निकली हर घर तिरंगा' बाइक रैली ने एक ओर जहां नगर को देशभक्ति के रंग में रंगा, वहीं विधायक द्वारा खुद चालान कटवाने के घटनाक्रम ने देशभक्ति के साथ कानून और अनुशासन के पालन का संदेश भी दिया।

संपादकीय

सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व में फंसा लोकतंत्र

-ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। लेकिन संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचोंबीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है।

संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। शुरुआती दो हफ्तों में हंगामे और लगातार होते स्थगन के कारण दोनों सदनों में कोई ठोस कामकाज नहीं हो सका। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है।

विधायी कामकाज पर सत्ता पक्ष की जवाबी रणनीति

संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। कई विधेयकों पर सदन के दोनों सदनों की मुहर लग चुकी है, जो राष्ट्रपति की मुहर के बाद देश में कानून बनने की दहलीज पर जा चुके हैं। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है।

प्रश्नकाल और शून्यकाल: जनहित के मुद्दों की अनदेखी

संसदीय लोकतंत्र में 'प्रश्नकाल' और 'शून्यकाल' ऐसे दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिनके माध्यम से संसद सदस्य (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) सीधे सरकार और उसके मंत्रियों की जवाबदेही तय करते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छीन गया। वहीं, शून्यकाल वह समय होता है जब सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दों को उठाते हैं। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूरदराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है।

रणनीतियों के द्वंद्व में फंसी लोकतंत्रिक प्रक्रियाएं

इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को साधने में लगे हैं लेकिन इसका खामियाजा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भुगतना पड़ रहा है। शायद विपक्ष की रणनीति मुख्य रूप से सरकार को राजनीतिक रूप से बैकफुट पर धकेलने की है। विपक्ष का तर्क है कि जबतक उनकी प्राथमिक मांगों ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक या जांच से जुड़े मुद्दों पर पहले चर्चा नहीं होती, तब तक सामान्य कामकाज नहीं चलने दिया जाएगा। हालांकि, इस रणनीति के कारण विपक्ष उस मंच को खुद ही खो देता है जहाँ वह सरकार की नीतियों की धज्जियां उड़ा सकता था। सदन से वाकआउट करने का सीधा अर्थ है, सरकार को बिना किसी विरोध के बिल पास कराने का 'वॉकओवर' दे देना। वहीं, सरकार की रणनीति यह दिखाने की है कि वह देश के विकास और विधायी कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। सरकार का तर्क है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से दूर भाग रहा है। विपक्ष के बहिष्कार का लाभ उठाते हुए सरकार अपने प्रमुख और दूरगामी असर वाले कानूनों को तेजी से पारित करवा रही है। हालांकि, बिना बहस के बिल पास कराने से भले ही सरकार का लक्ष्य पूरा हो जाए लेकिन उन कानूनों की नैतिक स्वीकार्यता पर सवाल खड़े होते हैं।

जनता के प्रति जवाबदेही और विपक्ष का दायित्व

संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने की नहीं बल्कि 'सकारात्मक आलोचक' की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और बनने वाले कानूनों पर गहराई से मंथन करें। जब विपक्षी सांसद चर्चा का बहिष्कार करते हैं तो वे विधेयकों में जनहित से जुड़े संशोधन पेश करने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते। संसद को चलाने में देश के करदाताओं का करोड़ों रुपया प्रति घंटे खर्च होता है। सत्र का हंगामे में धुल जाना वित्तीय और समय दोनों की भारी बर्बादी है। तख्तियां लहराना, कागज फाड़कर फेंकना और पीठासीन अधिकारी के सामने नारेबाजी संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाता है। ऐसे में विपक्ष को यह समझना होगा कि सरकार को घेरने का सबसे सशक्त माध्यम 'सदन का स्थगन' नहीं, बल्कि 'सदन के भीतर अकाट्य तर्कों के साथ बहस' करना है।

क्या हो सकती है आगे की राह?

अब जब मानसून सत्र के केवल कुछेक दिन ही बचे हैं, तब यह सवाल सबसे बड़ा है कि क्या बाकी बचे समय का उपयोग देशहित में किया जा सकता है? सत्र के अंत की ओर बढ़ते हुए आगे की राह को आसान बनाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के सामने मौका है। दोनों पक्षों को अपने अड़ियल रुख से पीछे हटना होगा। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की मुख्य मांगों पर किसी बीच के रास्ते या विशेष नियम के तहत चर्चा कराने का औपचारिक आश्वासन दे। वहीं, विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि सदन को ठप रखने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता। सत्र के अंतिम दिनों में जो भी महत्वपूर्ण विधेयक पटल पर रखे जाने हैं, उन पर कम-से-कम संक्षिप्त बहस अवश्य कराई जाए। विपक्ष को वाकआउट करने के बजाय सदन में रहकर अपने संशोधन दर्ज कराने चाहिए और सरकार को भी विपक्ष के जायज सुझावों को शामिल करने का बड़प्पन दिखाना चाहिए।

महिला नेता दिखी नहीं कि गाली शुरू!

सियासत में मुद्दों से ज्यादा आसान क्यों है चरित्र पर हमला ?

बृज खंडेलवाल द्वारा
12 अगस्त 2026

कल्पना कीजिए, चुनावी मंच पर एक महिला नेता खड़ी होती है। वह सरकार से तीखे सवाल पूछती है। विपक्ष को चुनौती देती है। अपनी पार्टी का बचाव करती है। कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया का माहौल बदल जाता है। उसके तर्कों पर कम, कपड़ों पर ज्यादा चर्चा होने लगती है। उसकी नीतियों को छोड़कर उम्र, शादी, शक्ल और निजी जिंदगी की चीरफाड़ शुरू हो जाती है।

बस, यहीं हमारी राजनीति का सबसे बदसूरत चेहरा दिखाई देता है।

पुरुष नेता गरजे तो उसे दमदार कहा जाता है। महिला नेता उसी अंदाज में जवाब दे दे, तो उसे 'अहंकारी' या 'बदतमीज' बता दिया जाता है। पुरुष नेता महत्वाकांक्षी हो तो दूरदर्शी कहलाता है। महिला महत्वाकांक्षी हो तो उसके इरादों पर शक किया जाता है। जैसे राजनीति में महिला का सबसे बड़ा अपराध सिर्फ इतना हो कि उसने चुप रहने से इनकार कर दिया।

महिला चुनाव लड़ सकती है, जीत सकती है और सत्ता की कुर्सी तक पहुंच सकती है। लेकिन जैसे ही वह मुखर होती है, बहस अक्सर मुद्दों से भटक जाती है। फिर शुरू होता है कपड़ों, चरित्र, रिश्तों और निजी जिंदगी पर हमला।

मानो सियासत का कोई अनलिखा नियम हो, महिला को हराना मुश्किल लगे, तो पहले उसे ज़लील कर दो।

पुरुष नेताओं को चोर, भ्रष्ट, निकम्मा या नाकाम कहना 'तीखी राजनीतिक बहस' माना जाता है। महिला नेता आंख में आंख डालकर जवाब दे दे, तो शब्दों की तलवार अचानक उसके विचारों को छोड़कर उसकी देह और निजी जिंदगी की तरफ मुड़ जाती है। नीति-विचार पीछे छूट जाते हैं। तर्क दम तोड़ देते हैं। गाली सबसे आसान हथियार बन जाती है।

यह बीमारी किसी एक पार्टी की नहीं है। अफसोस, पूरा राजनीतिक तंत्र इससे संक्रमित दिखाई देता है। अपनी पार्टी की महिला नेता पर फूहड़ टिप्पणी हो, तो बयान जारी होते हैं और आक्रोश उमड़ पड़ता है। लेकिन विरोधी दल की महिला पर वही कीचड़ उछले, तो कई चेहरे अचानक मौन साध लेते हैं।

महिला सम्मान अब सिद्धांत कम, सियासी स्विच ज्यादा बन गया है, अपने लिए ऑन, विरोधियों के लिए ऑफ।

सुनंदा पुष्कर के मामले में भी सार्वजनिक चर्चा कई बार उनकी पहचान से ज्यादा सनसनी के इर्द-गिर्द घूमती रही। जयललिता जैसी शक्तिशाली मुख्यमंत्री को भी कई मौकों पर सिर्फ एक महिला होने के चश्मे से देखा गया। बसपा सुप्रीमो बहन मायावती पर जाति और लिंग, दोनों को मिलाकर तंज कसे गए। उमा भारती को भी ऐसी निजी टिप्पणियां सुननी पड़ीं, जिनका उनकी नीतियों या राजनीतिक काम से कोई संबंध नहीं था।

कंगना रनौत के विचारों से असहमति हो सकती है। उनकी राजनीति और बयानों की आलोचना भी होनी चाहिए। लोकतंत्र में किसी को आलोचना से छूट नहीं मिलती। लेकिन असहमति का अर्थ यह नहीं कि महिला होने के कारण उस पर हर तरह की गाली और गंदगी फेंक दी जाए।

किसी महिला नेता की आलोचना लोकतंत्र है। उसकी निजी जिंदगी नोंचना बदतमीजी है।

दोनों में फर्क है। मगर हमारी राजनीति अक्सर यह फर्क जानबूझकर भूल जाती है।

हम महिलाओं को राजनीति में लाने की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। सम्मेलन होते हैं। मंच सजते हैं। 'नारी शक्ति' के नारे गूंजते हैं। भाषणों में महिलाओं के लिए आसमान तक खोल दिया जाता है। फिर टिकट बांटने का वक्त आता है, तो कई दरवाजे बंद मिलते हैं।

महिला आरक्षण का कानून बनना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन असली सवाल सिर्फ सीटों का नहीं है। सवाल उस माहौल का भी है, जिसमें महिला राजनीति करेगी।

मान लीजिए, किसी महिला को सीट मिल गई। वह चुनाव जीत गई। मंत्री भी बन गई। फिर क्या?

क्या उसे वही सम्मान मिलेगा, जो उसके पुरुष सहयोगी को मिलता है? या फिर उसके कपड़ों पर टीवी बहस होगी? शादी पर सवाल उठेंगे? उम्र पर तंज कसे जाएंगे? और उसकी निजी जिंदगी को व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी के हवाले कर दिया जाएगा?

यही वह दलदल है, जिसमें हमारी राजनीति फंसी हुई है।

इसका सबसे बड़ा नुकसान लोकतंत्र को होता है। कई काबिल महिलाएं शायद राजनीति की तरफ देखकर सोचती होंगी; 'यह मैदान मेरे लिए बहुत महंगा पड़ सकता है। यहां काम कम और निजी जिंदगी की सफाई ज्यादा देनी पड़ेगी। '

पुरुष नेता को शायद ही रोज यह सोचना पड़ता हो कि चुनाव लड़ने के बाद उसकी शादी, शरीर या चरित्र राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाएगा। यही असमानता है। और यही असली समस्या है।

हम अक्सर शिकायत करते हैं कि राजनीति में अच्छे लोग नहीं आते। शिकायत सही हो सकती है। लेकिन एक सवाल हमसे भी पूछना चाहिए, क्या हम अच्छे और काबिल लोगों के लिए राजनीति का माहौल आसान बनाते हैं?

खासकर महिलाओं के लिए?

जितनी अधिक महिलाएं राजनीति में आएंगी, उन्हें दो-चार गालियों से चुप कराना उतना ही मुश्किल होगा। संख्या ताकत है। संगठन ताकत है। और सबसे बड़ी ताकत आर्थिक आजादी है।

जिस महिला के पास अपनी कमाई, अपना काम और अपना मजबूत नेटवर्क है, उसे डराना आसान नहीं होता। देश भर में लाखों महिला उद्यमी आज यही साबित कर रही हैं। वे कारोबार खड़ा कर रही हैं। रोजगार दे रही हैं। फैसले ले रही हैं। उन्हें किसी नेता की कृपा का इंतजार नहीं।

वे अपने पैरों पर खड़ी हैं। यही असली सशक्तिकरण है।

सिर्फ मंच पर 'नारी शक्ति जिंदाबाद' बोलने से कुछ नहीं बदलेगा। महिला को अच्छी शिक्षा चाहिए, तो दीजिए। बैंक लोन चाहिए, तो रास्ते आसान कीजिए। काम का मौका चाहिए, तो दीजिए। सुरक्षित माहौल चाहिए, तो सुनिश्चित कीजिए।

और अगर वह राजनीति में आकर आपसे असहमत हो जाए, तो उसके विचारों से लड़िए, उसके कपड़ों से नहीं।

उसके काम पर सवाल उठाइए, चरित्र पर कीचड़ मत फेंकिए।

उसकी नीति की आलोचना कीजिए, निजी जिंदगी को चुनावी पोस्टर मत बनाइए।

लोकतंत्र में कोई भी नेता आलोचना से ऊपर नहीं है। न पुरुष, न महिला। लेकिन आलोचना और गाली में फर्क होता है। बहस और बेहूदगी में फर्क होता है। सवाल और चरित्रहनन में फर्क होता है।

अफसोस, हमारी सियासत में यह फर्क तेजी से धुंधला होता जा रहा है।

सबसे बड़ा पाखंड तब दिखाई देता है, जब कोई नेता सुबह महिला सम्मान पर लंबा भाषण देता है और शाम तक उसकी पार्टी के समर्थक किसी महिला विरोधी पर सोशल मीडिया में गंदगी उछाल रहे होते हैं। फिर पार्टी कहती है, 'हमने तो नहीं कहा। '

यह कोई जवाब नहीं है।

घर में आग लगी हो और मालिक कहे कि माचिस मैंने नहीं जलाई, तो क्या घर बच जाएगा?

राजनीतिक दलों को समझना होगा कि उनकी ट्रोल सेना उनसे पूरी तरह अलग नहीं है। लगातार गाली, धमकी और निजी हमले होते रहें और पार्टी चुप बनी रहे, तो वह चुप्पी भी समर्थन का संदेश देती है।

कई बार चुप रहना समर्थन की सबसे आरामदेह भाषा होता है।

महिलाओं को राजनीति में देवी बनाकर रखने की जरूरत नहीं है। उन्हें आलोचना से बचाने की भी जरूरत नहीं है। बस, उन्हें इंसान और बराबर का नागरिक मानने की जरूरत है।

बहुत बड़ी मांग नहीं है।

वे गलत हों, तो खुलकर आलोचना कीजिए। भ्रष्ट हों, तो जांच कीजिए। काम कमजोर हो, तो चुनाव में हराइए। लेकिन सिर्फ इसलिए हमला मत कीजिए कि वे महिला हैं और शायद जवाब नहीं देंगी।

अब वक्त बदल रहा है। महिलाएं जवाब दे रही हैं। अदालतों का दरवाजा खटखटा रही हैं। कारोबार खड़ा कर रही हैं। राजनीति में अपनी जगह बना रही हैं। धीरे-धीरे संदेश साफ हो रहा है कि पुरानी गाली-गलौज वाली सियासत हमेशा नहीं चलेगी।

महिला-विरोधी सोच कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है। यह न मानसून है, न भूकंप। इसे इंसानों ने बनाया है। इसलिए इंसान ही इसे बदल सकते हैं।

शुरुआत उस सबसे आसान बहाने को छोड़कर करनी होगी, 'अरे, राजनीति में तो यह सब चलता है। '

नहीं। बहुत चल लिया।

बहुत गालियां दे लीं। बहुत चरित्र उछाल लिए। बहुत निजी जिंदगियां नीलाम कर लीं। अब मुद्दों पर लौटिए।

किसी महिला नेता को सिर्फ मुखर, सक्रिय और महत्वाकांक्षी होने की सजा देना उसके साथ ही नहीं, लोकतंत्र के साथ भी नाइंसाफी है। सियासत की असली लड़ाई विचारों की होनी चाहिए, गालियों की नहीं। नीतियों की होनी चाहिए, निजी जिंदगी की नहीं।

और याद रखिए, जिस लोकतंत्र में आधी आबादी को बोलने से पहले गाली की कीमत सोचनी पड़े, वहां लोकतंत्र का माइक तो चालू है, लेकिन उसकी आवाज अभी भी आधी है।

केरलम् में 'वंदे मातरम्' से परहेज ! दक्षिण भारत के अपने इतिहास को देखिए...

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केरलम् में 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गायन को लेकर जिस तरह की आपत्ति सामने आई है, उसने एक साधारण प्रशासनिक निर्देश को गंभीर राष्ट्रीय विमर्श में बदल दिया है। सवाल यह है कि क्या भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की राष्ट्रीय स्मृति को भी राज्यों, दलों और राजनीतिक सुविधा की सीमाओं में बांटा जा सकता है? केरलम् सरकार की ओर से यह कहा गया कि सरकारी कार्यक्रमों में पहले की परंपरा के अनुसार 'वंदे मातरम्' के शुरुआती दो पद ही गाए जाएंगे।

कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने इससे भी आगे जाकर पूरे गीत के गायन का तीखा विरोध किया। दूसरी ओर केंद्र सरकार 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसके सामूहिक गायन पर जोर दे रही है। इसी बीच तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य के सार्वजनिक कार्यक्रमों में 'तमिल थाई वाझ्थु' को आरंभ में गाने का प्रस्ताव पारित किया है।

यहां एक बात बहुत साफ समझने की जरूरत है। किसी राज्य को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा पर गर्व करने का पूरा अधिकार है। तमिल को सम्मान मिलना चाहिए, मलयालम को सम्मान मिलना चाहिए, कन्नड़, तेलुगु, कोंकणी और हर भारतीय भाषा को सम्मान मिलना चाहिए, किंतु अपनी क्षेत्रीय अस्मिता का सम्मान करने के लिए राष्ट्रीय स्मृति से दूरी बनाना आवश्यक नहीं है। भारत की सुन्दरता ही यही है कि तमिल अपनी जगह तमिल है, मलयालम अपनी जगह मलयालम है, पर स्वतंत्रता का इतिहास सबका संयुक्त है। इसमें सभी का सर्वस्व त्याग एवं समर्पण समाहित है। वस्तुतः 'वंदे मातरम्' इसी साझा स्वरूप का ही प्रकटीकरण है।

यदि 'वंदे मातरम्' को उत्तर भारतीय या किसी एक राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक बताने की कोशिश की जाए तो तमिलनाडु का इतिहास इस तर्क को सीधे चुनौती देता है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती (1882-1921) तमिलनाडु के एक महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक रहे। उन्होंने बंकिम चंद्र चटर्जी के अमर गीत 'वंदे मातरम्' का तमिल भाषा में अनुवाद और रूपांतरण किया था, जिसने दक्षिण भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जन-जन में देशभक्ति की प्रखर भावना जगाई। 'कन्नन पट्टू' 'नीलवुम वनमिनम कात्रुम' 'पांचाली सबातम' 'कुयिल पट्टू' भारती के महान काव्य उत्पादन के उदाहरण हैं।

भारती को देशभक्ति से भरपूर उनकी अनेक कविताओं के कारण राष्ट्रीय कवि माना जाता है, जिनके माध्यम से उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और देश की मुक्ति के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए प्रेरित किया। अपने देश पर गर्व करने के अलावा, उन्होंने एक स्वतंत्र भारत के अपने दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। उन्होंने 1908 में सनसनीखेज रचना 'सुदेशा गीतंगल' प्रकाशित की।

भारत सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव पोर्टल भी दर्ज करता है कि भारती के कार्यों ने मद्रास क्षेत्र में स्वदेशी आंदोलन की जनमत-निर्माण प्रक्रिया में भूमिका निभाई और उनके एक कार्टून में 'वंदे मातरम्' ध्वज का चित्रण भी था, और बात यहीं खत्म नहीं होती। सुब्रमणिय भारती के प्रकाशित काव्य-संकलनों में 'वन्देमातरम्' स्वतंत्र रचना के रूप में दर्ज है। 1977 में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित Poems of Subramania Bharati में 'वन्देमातरम्' शामिल है; 1984 के Subramania BharatiÑ Chosen Poems and Prose में भी इसकी स्पष्ट उपस्थिति है। यानी जिस दक्षिण भारत को आज 'वंदे मातरम्' के संदर्भ में राजनीतिक दूरी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उसी दक्षिण भारत का एक महानतम राष्ट्रवादी कवि इसे अपने साहित्य और स्वतंत्रता चेतना का हिस्सा बना चुका था।

तमिलनाडु के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक सरकारी दस्तावेज इससे भी अधिक स्पष्ट है। उसमें दर्ज है कि भारती के Swadesha Geethangal में 'वन्देमातरम्' पहला राष्ट्रीय गीत था और इसे स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित करने वाला महान उद्घोष बताया गया है। दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि भारती के गीत अशिक्षित जनता तक राष्ट्रीय भावना पहुंचाने का माध्यम बने और लोग उन्हें गाकर सुनाते थे। तो फिर आज सवाल यह है कि 'वंदे मातरम्' दक्षिण भारत का कैसे नहीं हुआ? क्या तमिलनाडु के महाकवि भारती को यह इतिहास पता नहीं था? क्या स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मद्रास की धरती पर उठी 'वंदे मातरम्' की आवाज को आज भुला दिया जाए? क्या किसी राष्ट्रीय गीत की स्वीकार्यता इस बात से तय होगी कि आज कौन-सी राजनीतिक पार्टी उसे अपने कार्यक्रम में गा रही है?

भारती का स्पष्ट मत था जोकि उनके साहित्य लेखन में कई स्थानों पर प्रकट भी हुआ है, 'जब तक भारतीय भारत माता की संतान के रूप में एकजुट नहीं होंगे, तब तक उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती।' आज यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम सभी अपने राष्ट्र एवं मां भारत माता की वन्दना 'वन्देमातरम्' के लिए एक मत और एक स्वर नहीं हो पा रहे हैं। हमारे क्षेत्रीय एवं वोट के स्वार्थ इतने बड़े हैं कि हम उसी मां की आराधना करने से पीछे हट रहे हैं, जिससे जीवन पाकर अंत में उसी में विलय हो जाना है!

अमर बलिदानी और तिरंगा

केसरिया, सफेद और हरा रंग मिलकर नवविहान लाते हैं,
वीर शहीदों की पावन गाथा जन-जन को बतलाते हैं।
15 अगस्त का पर्व अनोखा, स्वाधीनता का यह अभिमान,
हाथों में लेकर राष्ट्रध्वज, हम करते भारत माँ का गान।
निकल पड़ी है तिरंगा यात्रा, देशप्रेम का महासमंदर,
हर दिल में हुंकार उठी है, नव-ऊर्जा का ज्वार भीतर।
गली-गली और डगर-डगर पर गूँज रहा 'जय हिंद' का नारा,
शीश झुकाकर नमन करें, यह भारत देश है प्राण हमारा।
गंगा-जमुना की पावन धारा, वीरों का यह अमर चरित्र,
सब भेदभाव को दूर भगाकर, बने आज हम सब निष्कपटी मित्र।
आओ मिलकर कसम यह खाएँ, इसकी शान न झुकने देंगे,
बलिदानों से मिली आज़ादी, इसकी लौ को बुझने न देंगे।
लहराए यह ध्वज गगन में, सदा ऊँचा रहे तिरंगा प्यारा,
युगों-युगों तक जगमग चमके, सुंदर रूप यह भारत हमारा।

डॉ भूपेन्द्र कुमार

जीजामगांव आईटीआई में शुरू हुआ मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड

धमतरी, 12 अगस्त (हि.स.)। बदलती तकनीक और हरित परिवहन की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप युवाओं को आधुनिक एवं उद्योग आधारित प्रशिक्षण देने की दिशा में नवीन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जीजामगांव में सत्र 2026-27 से पहली बार मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड का प्रथम बैच शुरू किया गया है। यह संस्था का भी पहला प्रशिक्षण सत्र है। दो वर्षीय इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, मोटर कंट्रोल, चार्जिंग सिस्टम, वाहन सर्विसिंग और फॉल्ट डायग्नोसिस सहित आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेड वर्तमान में छत्तीसगढ़ के चुनिंदा पांच शासकीय आईटीआई में संचालित है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग के साथ ई-व्हीकल कंपनियों, अधिकृत सर्विस सेंटर, चार्जिंग स्टेशन, बैटरी सेवा एवं निर्माण इकाइयों तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र में प्रशिक्षित तकनीशियनों की मांग बढ़ने की संभावना है। प्रशिक्षित युवा स्वयं का सर्विस सेंटर या तकनीकी सेवा शुरू कर स्वरोजगार भी स्थापित कर सकेंगे। जीजामगांव क्षेत्र में फॉरेस्ट पार्क, फूड पार्क सहित विभिन्न विकास एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के बीच आधुनिक तकनीकी कौशल से स्थानीय युवाओं को तैयार करना महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बलरामपुर में जल्द शुरू होगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर, हजारों यात्रियों को मिलेगी राहत

बलरामपुर, 12 अगस्त (हि.स.)। बलरामपुर जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लेकर आदिम जाति और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। उन्होंने बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे टिकट आरक्षण की सुविधा शुरू करने की मांग रखी। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए जल्द सुविधा शुरू कराने का आश्वासन दिया है।

मंत्री रामविचार नेताम ने रेल मंत्री को दिए पत्र में बताया कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में फिलहाल रेलवे रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा नहीं है। इसके कारण जिले के लोगों को रेल टिकट आरक्षित कराने के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा असर विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, मरीजों और अन्य जरूरतमंद यात्रियों पर पड़ रहा है।

जिले में काउंटर नहीं होने के कारण यात्रियों को टिकट बुक कराने के लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च करना पड़ता है। कई लोगों के लिए यह परेशानी इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि उन्हें सिर्फ टिकट आरक्षण के काम से दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ती है।

लंबे समय से उठ रही है मांग : बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की ओर से लंबे समय से उठाई जा रही है। मंत्री ने रेल मंत्री के समक्ष क्षेत्र की बढ़ती आबादी और रेल यात्रा की जरूरतों का हवाला देते हुए इस सुविधा को जरूरी बताया।

मंत्री ने कहा कि जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर शुरू होने से लोगों को टिकट के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे हजारों यात्रियों को सीधे लाभ मिलेगा और समय व खर्च दोनों की बचत होगी।

रेल मंत्रालय से जल्द कार्रवाई की उम्मीद

रामविचार नेताम ने रेल मंत्री से जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। केंद्रीय रेल मंत्री की ओर से मांग पूरी करने का आश्वासन मिलने के बाद जिले के लोगों में जल्द काउंटर शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

हरेली तिहार पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

रायपुर, 12 अगस्त (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेश के प्रथम लोकपर्व हरेली तिहार के पावन अवसर पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को गाड़ा-गाड़ा बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री चौधरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। यह पर्व किसानों के जीवन में विशेष महत्व रखता है और खेती-किसानी में उपयोग होने वाले कृषि औजारों एवं पशुधन की पूजा के माध्यम से अन्नदाता के प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि हरेली का पावन पर्व प्रदेश में हरियाली, सुख-समृद्धि और खुशहाली का संदेश लेकर आता है।

हर 3 मिनट में भारतवर्ष में एक अंग की जरूरत

उत्तर भारत में अंगदान के प्रति जागरूकता का अभाव

एक मृत व्यक्ति से बचाई जा सकती है 9 लोगों की जान

इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन निरंतर चला रही जागरूकता अभियान

31 अगस्त को समापन समारोह का किया जाएगा आयोजन

आगरा (निज संवाददाता)। हर 3 मिनट में भारतवर्ष में एक अंग की जरूरत है। अंगदान महादान है। एक मृत व्यक्ति के अंगों से 9 लोगों की जान बचाई जा सकती है। दक्षिण भारत की तुलना में उत्तर भारत में अंगदान के प्रति लोग अभी अधिक जागरूक नहीं हैं। यहां अंगदान के प्रति जागरूकता का अभाव है। यह जानकारी इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह त्यागी ने दी। शुक्रवार को सिकंदरा बाईपास स्थित सिनर्जी प्लस हॉस्पिटल में इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया। जागरूकता पूर्ण पोस्टर का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह त्यागी, डॉ. राकेश त्यागी, डॉ. अरविंद यादव, डॉ. रजनीश मिश्रा, डॉ. दीप्तिमाला अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह त्यागी ने बताया कि अगस्त माह में समूचे भारतवर्ष में अंगदान के प्रति जागरूक करने के लिए इंडियन क्रिटिकल केयर मेडिसिन सोसायटी के द्वारा विभिन्न जागरूकतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। 31 अगस्त को समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें शहर के प्रबुद्ध वर्ग को अंगदान के प्रति जागरूक करने के साथ शहर वासियों से अंगदान की अपील की जाएगी। इस माह में वर्ल्ड ऑर्गन डोनेशन डे 13 अगस्त को मनाया जाता है, जबकि भारतीय अंगदान दिवस (इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे) 3 अगस्त को मनाया गया। इसका उद्देश्य लोगों को अंगदान करने के लिए प्रेरित करना और इससे जुड़े भ्रमों को दूर करना है। इस माह में स्कूल, कॉलेज, विभिन्न समिति, सामाजिक संगठन और विभागों के सहयोग से अभियान चलाकर लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

अंगदान के प्रकार

अंगदान दो प्रकार से होता है। जीवित रहते हुए (जैसे एक किडनी या लीवर का कुछ हिस्सा) और मृत्यु (मस्तिष्क मृत्यु या ब्रेन डेड) के बाद।

दान करने वाले अंग व ऊतक

दान करने वाले मुख्य अंगों में किडनी, लीवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंतें और ऊतकों में कॉर्निया (आंखें), त्वचा, हड्डियां और हृदय के वाल्व शामिल हैं।

अंगदान के प्रति केंद्र सरकार के भी कार्य जारी

अंगदान के प्रति जागरूक करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा भी निरंतर मेडिकल कॉलेज में ट्रांसप्लांट प्रारंभ कराए जाने के लिए कार्य जारी हैं। इसके अंतर्गत ही एसएन मेडिकल कॉलेज में शीघ्र सरकार द्वारा किडनी ट्रांसप्लांट प्रारंभ कराया जाएगा। अंगों को सुरक्षित रखने के लिए भी सुविधाएं विकसित की जाएगी जिससे जरूरतमंदों के लिए अंगों को यहां से भेजा जा सके।

मा0 मंत्री, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग उ0प्र0 तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी जी की अध्यक्षता में नवीन सर्किट हाउस सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक संपन्न।

सड़क पर अत्यधिक घुमाव पर तेज गति से ओवरटेक के कारण हुआ हादसा परिवहन विभाग ने किया दुर्घटना स्थल का निरीक्षण

धौलपुर (निज संवाददाता)। मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-123 पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मृत्यु के बाद परिवहन विभाग की टीम ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर हादसे के संभावित कारणों का जायजा लिया। परिवहन निरीक्षक मुकुल कुंद्रा ने मौके पर पहुंचकर सड़क की स्थिति, मोड़ की बनावट दृश्यता तथा सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां सड़क पर अत्यधिक घुमावदार मोड़ होने के कारण सामने से आने वाले वाहनों की दृश्यता काफी कम हो जाती है। मोड़ के कारण वाहन चालकों को सामने से आ रहा वाहन समय रहते दिखाई नहीं देता। ऐसे में तेज गति से आ रही कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई जिससे भीषण हादसा हुआ और तीन लोगों की जान चली गई।

परिवहन निरीक्षक मुकुल कुंद्रा के अनुसार दुर्घटना स्थल पर ओवरस्पीड खतरनाक मोड़ और निर्धारित स्पीड लिमिट से संबंधित पर्याप्त चेतावनी एवं सूचना बोर्ड भी नजर नहीं आए। सड़क की मौजूदा स्थिति को देखते हुए वाहन चालकों को पहले से सावधान करने के लिए पर्याप्त रोड सेफ्टी इंतजाम किया जाना आवश्यक है। विजिबिलिटी बढ़ाने के लिए पेड़ों की कटिंग जरूरी निरीक्षण में यह भी सामने आया कि घुमावदार मोड़ पर सड़क की विजिबिलिटी बेहतर करने के लिए आसपास की झाड़ियों एवं पेड़ों की नियमित कटिंग की आवश्यकता है। पेड़ों और झाड़ियों के कारण यदि मोड़ पर दृश्यता बाधित होती है तो वाहन चालक सामने से आने वाले वाहनों को समय पर नहीं देख पाते। इसलिए संबंधित विभाग को नियमित रूप से पेड़ों की छंटाई कर सड़क की विजिबिलिटी सुनिश्चित करनी चाहिए। खतरनाक मोड़ से पहले लगाए जाएं चेतावनी बोर्ड

दुर्घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मोड़ से पर्याप्त दूरी पहले 'खतरनाक मोड़', 'धीमी गति से चलें', 'स्पीड लिमिट' और आगे खतरनाक घुमाव है अन्य आवश्यक चेतावनी संकेतक लगाए जाने की जरूरत है। रात के समय वाहन चालकों को संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दें, इसके लिए रिफ्लेक्टिव एवं बेहतर विजिबिलिटी वाले साइन बोर्ड लगाए जाने चाहिए।

रंबल स्ट्रिप से कम की जा सकती है वाहनों की रफ्तार परिवहन विभाग के निरीक्षण के अनुसार ऐसे संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित स्थान पर वाहन चालकों की गति नियंत्रित करने के लिए आवश्यकतानुसार लॉन्ग रंबल स्ट्रिप, रंबल स्टेप बनाए जाना भी उपयोगी रहेगा। इससे चालक मोड़ से पहले ही वाहन की गति कम कर सकेंगे और दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सकता है।

सड़क सुरक्षा ऑडिट की जरूरत

लगातार दुर्घटनाओं की संभावना वाले स्थानों को चिन्हित कर संबंधित विभागों द्वारा सड़क सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। ऑडिट के दौरान सड़क की चौड़ाई, मोड़ की स्थिति, विजिबिलिटी, साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर, रोड मार्किंग, स्ट्रीट लाइटिंग और वाहनों की गति जैसे सभी पहलुओं की जांच की जानी चाहिए।

परिवहन विभाग का मानना है कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल वाहन चालकों की लापरवाही से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सड़क की संरचना और सुरक्षा व्यवस्थाओं में सुधार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि समय रहते इस स्थान पर उचित संकेतक, गति नियंत्रण के उपाय और पर्याप्त विजिबिलिटी की व्यवस्था की जाए तो भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

भाजपा की सरकार में व्यापिरयों को न सम्मान न सुरक्षा, सपा की ओर बढ़ा झुकावः मनीष जगन अग्रवाल

समाजवादी पार्टी व्यापार सभा का व्यापारी मण्डलीय सम्मेलन में विभिन्न जिलो के ..... सदस्यों ने लिया भाग

आगरा (निज संवाददाता)। भाजपा की सरकार में व्यापारियों का न सम्मान है न ही सुरक्षा। व्यापारी हित में सबसे ज्यादा ऐतिहासिक निर्णय समाजवादी पार्टी की सरकार में लिए गए। जिसे आज भी व्यापारी समाज याद करता है, जैसे धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम (श्वष्ट एक्ट) को स्थगित करना, चूंगी प्रथा समाप्त करना, इंस्पेक्टर राज व तहबाजारी समाप्त करना, पंजीकृत व्यापारियों के लिए 10 लाख रुपये तक निःशुल्क व्यापारी दुर्घटना योजना की शुरुआत करना आदि। यह वक्तव्य विजय नगर नवरंग भवन में आयोजित समाजवादी व्यापार पार्टी सभा द्वारा आयोजित व्यापारी मण्डलीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि एवं समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलितकरते हुए कहा कि आज फुटकर, रेहड़ी, पटरी, गुमटी, खुमचा, ठेला दुकानदार से लेकर छोटे, मध्य दुकानदारों और कुटीर उद्यमियों ने इस बार 2027 में व्यापार-व्यापारी विरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंकने और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी की नेतृत्ववाली उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का मन बना लिया है। मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने अपने संबोधन करते हुए कहा कि प्रदेश की ने व्यापारियों एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार इन्वेस्टर समिट के फर्जी आंकड़ों को पेश कर जनता को गुमराह कर कूट रचित विज्ञापनों के माध्यम से अपना ढिंढोरा पीटने का कार्य कर रही है, जबकि वर्तमान में प्रदेश सरकार के विभागों की लापरवाही के कारण समस्त जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमी मूलभूत मानकों जैसे समुचित बिजली, पानी, सड़क और सीवर के लिए उद्यमी सरकारी विभागों के चक्कर काट रहे हैं।व्यापार सभा के प्रदेश सचिव व मण्डल प्रभारी मनोज गुप्ता ने आगरा की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एयरपोर्ट के नाम पर आगरा की जनता का एक बार कर खेवर में एयरपोर्ट बनाया गया। और आगरा को एयरपोर्ट के नाम पर ष्टद्ब1द्वद्य श्वठ्ठष्ह्यद्ड1द्ग 2024 में ष्टद्ब1द्वद्य श्वठ्ठष्ह्यद्ड1द्ग के नाम से एक होटल सा टर्मिनल बनाने की घोषणा की गई उसका भी सिर्फ कागजों में ही धरातल पर नजर नहीं आता है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आगरा का मशहूर पेठा उद्योग संकट में है। गैस और जगह न मिलने की वजह से 400-500 फैक्ट्रियां बंद हो गईं और कुछ पास के जिलों में शिफ्ट हो गईं। अब सिर्फ 125-150 फैक्ट्रियां ही चल रही हैं, जिससे पेठा की पहचान भी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। प्रदेश सचिव व कार्यक्रम संयोजक राकेश अग्रवाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार का 13 वाँ वर्ष और उत्तर प्रदेश की सरकार को 9.5 वर्ष जी डबल इंजन की सरकार ने आज तक आगरा जन और जनता को ठगने का काम किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचरण पोरवाल ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से संजीव पोरवाल जिला अध्यक्ष जिला व्यापार सभा, सोमेश गुप्ता शहर अध्यक्ष व्यापार सभा, आगरा जिला अध्यक्ष उदल सिंह कुशवाहा ,शेयर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास, राजपाल यादव,राहुल चतुर्वेदी, श्याम भोजवानी,जिला महासचिव संतोष पाल, विनय अग्रवाल,मधुकर अरोड़ा, बलविंदर सिंह, सचिन चतुर्वेदी, अनूप यादव, यदुवीर यादव जाटव,रामसहाय यादव, राधा राठौर, रेनू गुप्ता, शीलू गुप्ता, जवाहरलाल अग्रवाल,जगदीश राठौर, मनीष भारद्वाज, पंकज अग्रवाल ,राजीव ठाकुर, इलियास सिद्दीकी, राजकुमार यादव, अखिलेश पोरवाल ,राजीव पोरवाल, गोपाल पंडित पंकज चौहान राम गोयल ग्रीस सिंगल आनंद पोरवाल मनोज पोरवाल कमलेश पोरवाल व चार मंडलों के जिला अध्यक्ष भी शामिल रहे।

सचिव रेखा यादव एवं संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा सागरपाड़ा चौकी पर लग्जरी स्लीपर बसों का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान 15 बसों की गहनता से की गई जांच 13 बसों का मौके पर ही किया चालान तथा 2 बसें की गई सीज

धौलपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की अनुपालना अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन मोटर वाहन अधिनियम 1988, राज्य सरकार द्वारा दिशा-निर्देशों के प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में एवं राज्यव्यापी विशेष निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत सचिव रेखा यादव एवं संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा मंगलवार को सागरपाड़ा चौकी धौलपुर पर लग्जरी, स्लीपर बसों का निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा निरीक्षण के दौरान स्लीपर, लग्जरी बसों में यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई साथ ही बसों के परमिट, फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र वाहन के आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य वैधानिक कागजात की जांच की गई। इसके साथ ही बसों में यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से उपलब्ध अग्निशमन यंत्र आपात कालीन निकास प्राथमिक उपचार किट इमरजेंसी व्यवस्था, स्लीपर सीट, बर्थ की स्थिति तथा प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ बसों में अग्निशमन यंत्र की स्थिति उपलब्धता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई आपात कालीन स्थिति में यात्रियों के सुरक्षित बाहर निकलने हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की गई तथा जहां कमी पाई गई, वहां सुधार के निर्देश दिए गए, कुछ बसों में प्राथमिक उपचार किट एवं आवश्यक चिकित्सा सामग्री एवं अग्निशामक यंत्र की उपलब्धता में कमी पाई गई, स्लीपर बर्थ एवं यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए, बसों में साफ-सफाई एवं यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की भी जांच की गई, बसों के आवश्यक दस्तावेजों एवं वैधानिक कागजात का सत्यापन किया गया, यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत आपात कालीन संपर्क एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए, बस संचालकों को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान 15 बसों की गहनता से जांच की गई तथा गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 13 बसों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत चालान की कार्यवाही की गई तथा निर्धारित चालान राशि 176400 का जुर्माना लगाया गया साथ ही 2 बसें मौके पर ही सीज की गई। बसों में निर्धारित सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं के संबंध में विभिन्न कमियां सामने आईं। कुछ वाहनों में आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। सचिव एवं संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा मौके पर ही संबंधित बस संचालकों एवं कर्मचारियों को कमियों को दूर करने तथा यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए साथ ही जिला परिवहन अधिकारी को जिन बसो में गंभीर अनियमितताएं अथवा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाए उनके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम, के तहत चालान करवाए एवं निर्देशित किया कि भविष्य में बसों के नियमित निरीक्षण, सुरक्षा मानकों की सतत निगरानी तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान संचालित किए जाने के भी निर्देश दिए गए है। निरीक्षण कार्यवाही में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बबीता वर्मा, जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव, परिवहन निरीक्षक मुकुल, एसआई यातायात महेश चंद, स्टेनो राहुल डंडौतिया, कनिष्ठ सहायक संदीप एवं घनश्याम सागरपाड़ा चौकी प्रभारी एवं उनकी टीम उपस्थित रहे।

सचिव ने वृद्धाश्रम का किया औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उपस्थित वृद्धजनों को नालसा स्कीम के बारे में दी जानकारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव द्वारा वाटरबॉक्स चौराहे के पास स्थित वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान 9 पुरुष उपस्थित मिले तथा वृद्धाश्रम में आवासित वरिष्ठजनों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना एवं वृद्धजनों को प्राथमिक उपचार किट एवं मैनू अनुसार समय पर भोजन एवं सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों की संख्या, पंजीयन स्थिति, स्वास्थ्य परीक्षण रजिस्टर एवं आगंतुक रजिस्टर की जांच की साथ ही उपस्थित वृद्धजनों से भी जानकारी ली एवं उनके स्वास्थ्य, पेंशन नाश्ता, भोजन के बारे में जानकारी ली तो साथ ही सचिव ने सभी कमरों एवं रसोईघर का भी निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान कमरों में चद्दरों की साफ-सफाई के निर्देश दिए।

सचिव ने निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम इंचार्ज को नालसा द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2016 एवं नालसा (जागृति- न्याय जागरूकता के लिए जमीनी स्तर पर सूचना और पारदर्शिता पहल) योजना 2025 के अंतर्गत विषय सशक्त युवा सशक्त भारत के बारे में भी वृद्धजनों को जानकारी दी।

सचिव रेखा यादव ने किया जिला कारागृह का साप्ताहिक निरीक्षण

निरीक्षण दौरान बंदियों को नालसा स्कीमों की दी जानकारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसरण में एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का साप्ताहिक निरीक्षण किया साथ ही मुलाकात कक्ष स्थान पर लीगल एड हेल्प डेस्क का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागृह में स्थापित प्रिजिन लीगल एड क्लीनिक के संबंध में माननीय नालसा द्वारा जारी एस.ओ.पी. में वर्णित दिशा-दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। सचिव ने निरीक्षण के दौरान कारागार में निरुद्ध बंदियों से उनके प्रकरणों, अपील, जमानत, आगामी पेशी की तिथि, विधिक स्थिति रहन सहन, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की निरीक्षण दौरान सभी ने अपने अधिवक्ता होना बताया साथ ही कुछ बंदियों ने

अपने मेडिकल समस्या के बारे में अवगत कराया इस संबंध में सचिव ने अधीक्षक को निर्देशित किया कि बंदियों का तुरंत इलाज सुनिश्चित करें साथ ही रसोईघर का भी निरीक्षण किया एवं खाने एवं रसोईघर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

सचिव ने प्रत्येक बंदी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके मामलों की स्थिति जानी तथा उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने बंदियों को बताया कि जो व्यक्ति अपने मुकदमे की पैरवी हेतु निजी अधिवक्ता नियुक्त करने में असमर्थ हैं, वे लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान बंदियों को नालसा एसपीआरयूएचए 2025 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। सचिव ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से जेल में बंद व्यक्तियों, विचाराधीन बंदियों तथा उनके परिवारों को निःशुल्क विधिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा तथा पुनर्वास संबंधी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र बंदियों को निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं तथा जमानत, अपील एवं अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है साथ ही नालसा (जागृति- न्याय जागरूकता के लिए जमीनी स्तर पर सूचना और पारदर्शिता पहल) योजना 2025 के अंतर्गत विषय सशक्त युवा सशक्त भारत के बारे में भी बंदियों को जानकारी दी। जिला कारागृह में मुलाकात कक्ष, स्थान पर संचालित लीगल एड हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया। सचिव ने हेल्प डेस्क पर तैनात अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वालंटियर्स से बातचीत कर यह जानकारी प्राप्त की कि प्रतिदिन आने वाले फरियादियों की समस्याओं का किस प्रकार पंजीकरण एवं निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि हेल्प डेस्क पर आने वाले प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निःशुल्क कानूनी परामर्श तथा अधिवक्ता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है। निरीक्षण के दौरान लीगल एड हेल्प डेस्क पर संधारित रजिस्टरों, अभिलेखों एवं निर्धारित प्रपत्रों की भी जांच की गई तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान डिप्टी चीफ एलएडीसी पप्पू सिंह गुर्जर, असिस्टेंट एलएडीसी अराधना शर्मा, स्टेनो राहुल डंडौतिया, अधिकार मित्र इंदेश शर्मा, जेल अधीक्षक सुमन मीणा एवं पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया में 3 दिवसीय VIA प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

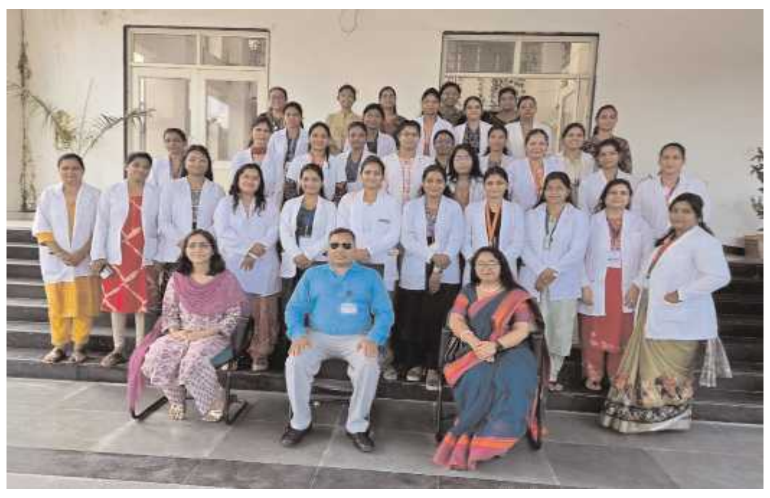

दतिया (निज संवाददाता)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स (CHOs) हेतु 3 दिवसीय VIA (Visual Inspection with Acetic Acid) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन 10 से 12 अगस्त 2026 तक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीन डॉ. प्रो. दीपक मरावी के मार्गदर्शन एवं अनुमति तथा विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. श्वेता यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की सह प्राध्यापक डॉक्टर अमिता शर्मा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. विधि सिंह के साथ विभाग के सभी संकाय सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

प्रशिक्षण में दतिया, शिवपुरी एवं अशोकनगर जिलों से आए 35 CHOs ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ष्ट॥ह्य को सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक स्क्रीनिंग, संदिग्ध मामलों की पहचान, उचित परामर्श एवं समयबद्ध रेफरल हेतु आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 10 अगस्त 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर डीन डॉ. प्रो. दीपक मरावी, ष्ट्स्राह्व डॉ. बी.के. वर्मा, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. सचिन सिंह यादव, पीएसएम विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप शुक्ला, फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक वर्मा, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण टैगोर, डर्मेटोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत हरित, पीडियाट्रिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ. टी.एन.एस. गौर, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक मेहता, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक शर्मा एवं मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. अमृता चौहान सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सर्वाइकल कैंसर की समय पर स्क्रीनिंग एवं प्रारंभिक पहचान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा ष्ट॥ह्य को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी उपयोग करने हेतु प्रेरित किया

प्रथम दिवस - सैद्धांतिक प्रशिक्षण:प्रथम दिवस पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं प्रारंभिक पहचान, VIA की उपयोगिता एवं प्रक्रिया, स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल, ष्ट॥ह्य की भूमिका तथा मरीजों की काउंसलिंग एवं रेफरल प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की गई।

द्वितीय दिवस पर VIA प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का वीडियो प्रदर्शन किया गया। सामान्य एवं संदिग्ध निष्कर्षों की पहचान, संक्रमण नियंत्रण, मरीज की गोपनीयता तथा प्रभावी परामर्श के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

तृतीय दिवस पर प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने VIA स्क्रीनिंग प्रक्रिया का अभ्यास किया तथा उनके कौशल का मूल्यांकन किया गया। प्रश्नोत्तरी एवं फीडबैक सत्र के माध्यम से प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का भी आकलन किय

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं Valedictory Ceremony 12 अगस्त 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा अर्जित ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल की समीक्षा की गई तथा प्रशिक्षण संबंधी फीडबैक प्राप्त किया गया।

समापन समारोह में सिविल सर्जन डॉ. के.सी. राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रशिक्षित ष्ट॥ह्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र में इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का प्रभावी उपयोग करते हुए अधिक से अधिक महिलाओं तक लाभ पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि ष्ट॥ह्य मध्य प्रदेश शासन के कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सर्वाइकल कैंसर की समयबद्ध स्क्रीनिंग, संदिग्ध मामलों की पहचान एवं उचित रेफरल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 35 ष्ट॥ह्य को प्रमाण-पत्र डीन डॉ. प्रो. दीपक मरावी द्वारा प्रदान किए गए। डीन ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में अर्जित ज्ञान एवं कौशल का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ष्ट॥ह्य को अपने-अपने स्वास्थ्य केंद्रों पर सर्वाइकल कैंसर की प्रभावी स्क्रीनिंग हेतु सक्षम बनाना तथा संदिग्ध मामलों की समय पर पहचान एवं उचित स्वास्थ्य संस्थान पर रेफरल सुनिश्चित करना है। इससे जिले में सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक पहचान को बढ़ावा मिलेगा तथा इससे होने वाली जटिलताओं एवं मृत्यु दर में कमी लाई जा सकेगी।

लाला के ताल एवं तरन तारन ताल के टूटे बंधों के पुर्ननिर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए भोपाल में एक्टिव हुए नव निर्वाचित विधायक घनश्यामसिंह

सचिव नगरीय प्रशासन विभाग से मिले,सौंपा पत्र

दतिया। दतिया विधानसभा क्षेत्र से नव निर्वाचित विधायक घनश्यामसिंह दतिया शहर की जन समस्याओं के निराकरण के लिए भोपाल में एक्टिव मोड पर है। बुधवार को श्री सिंह ने सचिव नगरीय प्रशासन विभाग बीएस जामोद से मुलाकात कर दतिया शहर के लाला का तालाब एवं तरन तारन तालाब के बंधों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए पत्र सौंपा।

इस अवसर पर सीनियर पार्षद मुन्ना खां एवं सन्तोष लिटोरिया भी साथ रहे।

श्री सिंह ने सचिव नगरीय प्रशासन विभाग को दोनों तालाबों को जोड़ने वाले बंध के टूटने से उतपन्न समस्या के कारण हजारों लोगों के प्रभावित होने की जानकारी दी तथा इस संबंध में प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन विभाग के नाम पत्र भी सौंपा।

पत्र में उल्लेख है कि दतिया शहर में माह जुलाई अगस्त 2024 में अतिवृष्टि के कारण नगर पालिका परिषद दतिया एवं जिला प्रशासन की घोर लापरवाही के चलते दतिया शहर के 400 वर्ष पुराने प्राचीन लाला का ताल (तालाब) एवं तरन तारन तालाब के बंध क्षतिग्रस्त हो गये थे। जिसके कारण निचली बस्तियों में बाढ जैसे हालात निर्मित हो गये थे। लाला के ताल के बंघ के टूट जाने से मत्स्य पालन विभाग का कार्यालय एवं हैचरी, विद्युत विभाग कार्यालय एवं पावर हाउस, पीडब्लूडी कालोनी, ठंडी सडक, बालक छात्रावास, अमन कालोनी क्षेत्र, सहित सैकडों मकानों में पानी भर जाने से भारी नुकसान हुआ था। जिसका आज दिनांक तक कोई मुआवजा नही दिया गया और न ही समस्या के निदान हेतु कोई उपाय किये गये ।

शासन प्रशासन के उदासीन रवैया के चलते इन लगभग 400 वर्ष प्राचीन तालाबों के बंधों (पार) की मरम्मत के लिये कोई कदम नही उठाये गये जिससे आमजन का जीवन संकटापन बना हुआ है। वर्तमान में बरसात के चलते किसी भी समय कोई भी बडी दुर्घटना घटित हो सकती है। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन / प्रशासन की होगी ।

अतः जनहित के कार्य को दृष्टिगत रखते हुये मांग है कि उक्त बंधों के पुर्ननिर्माण एवं सुदृढीकरण की तकनीकि स्वीकृति सिंचाई विभाग या पीडब्लूडी जैसे विभागों से करवाकर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जावे क्योकि नगर पालिका उक्त कार्य को करने में सक्षम नही है।

अतः अनुरोध है कि उक्त कार्यो की सर्वोच्चय प्राथमिकता पर स्वीकृति प्रदान किये जाने का कष्ट करें ।

पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, दतिया में 'व्यावसायिक बकरी पालन' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ

दतिया (निज संवाददाता)। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय (CoVAS), दतिया में आज, 12 अगस्त 2026, 'व्यावसायिक बकरी पालन' विषय पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं किसानों के ज्ञान और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना, उन्हें वैज्ञानिक एवं आधुनिक बकरी पालन की तकनीकों से परिचित कराना तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को बकरी पालन के वैज्ञानिक प्रबंधन, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, प्रजनन, आवास व्यवस्था, चारा प्रबंधन तथा व्यावसायिक फार्म प्रबंधन से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। इससे प्रतिभागी बकरी पालन को एक लाभकारी एवं टिकाऊ व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकेंगे।

होटल शगुन वाटिका में अखंड भारत संकल्प को लेकर बैठक आयोजित, लगाए 'अखंड भारत हमारा संकल्प' के नारे

शिवपुरी। अखंड भारत संकल्प को लेकर शिवपुरी के होटल शगुन वाटिका में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने 'अखंड भारत हमारा संकल्प' के नारे लगाते हुए भारतीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक-सांस्कृतिक एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अखंड भारत पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित बैठक में जिला संयोजक देवेंद्र शर्मा ने अखंड भारत संकल्प की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अखंड भारत एक वैचारिक संकल्प है, जिसका उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता की कल्पना को समझना और उसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि अखंड भारत की विचारधारा में वर्तमान भारत के साथ उन क्षेत्रों को भी व्यापक भारतीय सांस्कृतिक क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है, जो इतिहास के विभिन्न कालखंडों में भारतीय सभ्यता एवं राजनीतिक इकाइयों से जुड़े रहे हैं। इस विचारधारा के संदर्भ में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका तथा कुछ ऐतिहासिक संदर्भों में अफगानिस्तान और म्यांमार का भी उल्लेख किया जाता है।

देवेंद्र शर्मा ने कहा कि 'अखंड भारत का संकल्प' लेने का आशय भारतीय संस्कृति, सभ्यता और ऐतिहासिक एकता के प्रति वैचारिक प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अखंड भारत मुख्य रूप से एक सांस्कृतिक एवं वैचारिक अवधारणा है और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में परिवर्तन कोई वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था नहीं है।

बैठक में प्रांत कार्यकारिणी की महिला आयाम की डॉ. सुषमा पाण्डेय भी उपस्थित रहीं। इसके अलावा समाजसेवी पिंकी गोस्वामी, मीनू तिवारी, सुंदरी चौहान, लक्ष्मी गर्ग, पत्रकार मणिका शर्मा, शगुन वाटिका के संचालक गोपाल गौड़ सहित कई जागरूक नागरिक मौजूद रहे।

बैठक में अखंड भारत की अवधारणा, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

उन्नाव मंडल में तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

300 से अधिक मोटरसाइकिलों के साथ निकली भव्य यात्रा

उन्नाव, दतिया (निज संवाददाता)। देश के प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्राओं की श्रृंखला के तहत बुधवार को उन्नाव मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का नेतृत्व दिनेश शर्मा घरावा ने किया। यात्रा में करीब 300 मोटरसाइकिलों के साथ बड़ी संख्या में युवा और देशभक्त शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान युवा देशभक्ति गीतों की धुन पर उत्साह से झूमते नजर आए। हाथों में तिरंगा लेकर युवाओं ने देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा में विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में घनश्याम पीरौनिया, राजेश चौहान, सुनील पंडा, रामरतन यादव, अटल पटेरिया सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा में उपेंद्र गुर्जर, जीतू पंडा, रविंद्र राजपूत, सागर शर्मा, हेमंत यादव, दिनेश शुक्ला, अरविंद यादव, राजीव पटेल, अनूप तिवारी, उदयभान गुर्जर, राजीव चतुर्वेदी, विक्रम डांगी, आनंद दुबे, लालाराम पाल, जगन शर्मा, जितेंद्र पाल, अरविंद शर्मा, चरणदास परिहार, अजय पांचाल, कामता कुशवाहा, बालकिशन कुशवाहा, सोनू शर्मा, मुकेश तिवारी, विवेक पटेल, अनिल पटेल, अजय यादव, विशाल यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का उत्साह देखने को मिला। आयोजन में शामिल युवाओं ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रध्वज के सम्मान का संदेश दिया।

बदरवास में 200 मकानों पर संकट, रेलवे ने जमीन खाली करने के दिए निर्देश....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। बदरवास नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 14 में करीब 150 से 200 परिवारों के सामने बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है। रेलवे और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों को बताया कि जिस भूमि पर उनके मकान बने हैं, वह वर्ष 1985 में रेलवे द्वारा अधिग्रहित की जा चुकी है।

दशकों से रह रहे परिवार सकते में

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे यहां वर्षों से रह रहे हैं। कई परिवारों ने रजिस्ट्री और नोटरी के आधार पर जमीन लेकर मकान बनाए हैं। कुछ परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी मिला है। ऐसे में रेलवे की कार्रवाई की सूचना से लोग परेशान हैं।

रेलवे ने बताया अपनी जमीन

रेलवे अधिकारियों के अनुसार भूमि का अधिग्रहण वर्ष 1985 में किया गया था और उस समय संबंधित भूमि स्वामियों को मुआवजा भी दिया गया था। अब रेलवे को भूमि की आवश्यकता होने के कारण मकान खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पुनर्वास की मांग

प्रभावित परिवारों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मकान हटाने से पहले दस्तावेजों की जांच कराने तथा पुनर्वास और राहत की व्यवस्था करने की मांग की है। नगर परिषद उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव ने मामले को गंभीर बताते हुए इसे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष रखने की बात कही है।

सिविल लाइन थाना: मुंशी बाग इलाके में महिला के साथ मारपीट, दबंगों पर मुकदमा दर्ज

मुरैना (निज संवाददाता)। मुरैना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मुंशी बाग इलाके में फिमेल कॉर्नर के आगे स्थित बिसमिल्लाह नगर में मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। दबंगों ने घर के बाहर मौजूद राधा चौहान (पत्नी हसरत सिंह) के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पीड़ित महिला ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पोरसा थाना: पुरानी रंजिश के चलते मारपीट, आरोपियों पर मामला दर्ज

मुरैना (निज संवाददाता)। पोरसा थाना इलाके में आपसी रंजिश के चलते दबंगों द्वारा मारपीट करने का एक और मामला सामने आया है। घटना के संबंध में बताया गया कि आरोपियों ने फरियादी के साथ घर के पास ही विवाद किया और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और नामजद आरोपियों की धरपकड़ के लिए दबिश दी जा रही है।

मुरैना में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत निकली भव्य बाइक रैली, डीआईजी और एसपी रहे मौजूद

मुरैना (निज संवाददाता)। मुरैना, मप्र शासन एवं पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 12 अगस्त 2026 को मुरैना जिले में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति के रंगों में सराबोर इस विशेष बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रज्वलित करना और हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना था।

इस उत्साहवर्धन तिरंगा यात्रा में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 250 से अधिक पुलिसकर्मियों ने पूरी ऊर्जा के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर सहभागिता की। रैली का नेतृत्व पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील कुमार जैन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) धर्मराज ने किया शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरी इस रैली के दौरान जगह-जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर पुलिस बल का स्वागत किया। इस आयोजन ने पूरे शहर में देशभक्ति का एक अनूठा माहौल पैदा कर दिया

वीआरजी कॉलेज की छात्राओं ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

अशोक सोनी ग्वालियर- /9977699599

ग्वालियर, विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरार की छात्राओं ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत भव्य तिरंगा रैली निकालकर क्षेत्र में देशभक्ति का संदेश दिया। रैली में महाविद्यालय की एनसीसी, एनएसएस एवं स्पोर्ट्स विंग की सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर मुरार नगर, 7 नंबर चौराहा, 6 नंबर चौराहा एवं रामलीला मैदान होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर पहुंची। हाथों में तिरंगा थामे छात्राएं पूरे मार्ग में 'हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा ', 'भारत माता की जय ', 'वंदे मातरम्' और 'स्वतंत्रता अमर रहे' जैसे देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान करती रहीं। रैली के माध्यम से छात्राओं ने मुरार क्षेत्र के नागरिकों को राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों में 17 अगस्त तक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

भिण्ड में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, दो हजार से अधिक विद्यार्थी हुए शामिल

भिण्ड (निज संवाददाता)। देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को भिण्ड शहर में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन जिला भिण्ड के नेतृत्व में आयोजित इस तिरंगा यात्रा में शहर के विभिन्न निजी विद्यालयों के दो हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ बेटी बचाओ चौराहा, अटेर रोड से हुआ। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थी देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़े। यात्रा अटेर रोड से नाला रोड होते हुए परेड चौराहा एवं गोल मार्केट, बजरिया पहुंची और किले के नीचे स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के पास पहुंचकर संपन्न हुई।

इस अवसर पर विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश का राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगे के प्रति सम्मान प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की इतनी बड़ी संख्या में सहभागिता यह संदेश देती है कि नई पीढ़ी देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को लेकर जागरूक है। हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता, अखण्डता एवं गौरव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का अवसर देता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। तिरंगा यात्रा के माध्यम से शहर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी विद्यालयों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया और 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम' के नारों से वातावरण गूंज उठा।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास एवं 14 हजार का जुर्माना

मेहगांव (निज संवाददाता)। अतिरिक्त जिला सत्र न्यायधीश मेहगांव की अदालत ने सत्र प्रकरण क्र.63/2022 एसटी, थाना मेहगांव के अपराध क्र.64/2022 में हत्या के आरोपी आलोक शर्मा उम्र 29 वर्ष, विवेक शर्मा उम्र 32 वर्ष पुत्रगण ब्रह्मचारी शर्मा निवासी ग्राम सोनी को आजीवन कारावास एवं 14 हजार रुपए जुर्माने की सजा से दण्डित किया है। गया अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक मेहगांव देवेश शुक्ला एवं अनीश शर्मा ने पैरवी की तथा आरक्षक राजवीर, अजय ओझा, मगध ने अभियोजन कार्रवाई में सहयोग किया।

सहायक सेल मीडिया प्रभारी अनीश शर्मा ने बताया कि 25 फरवरी 2022 मृतक शिशुपाल ने घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेहगांव में सउनि अशोक तिवारी को इस आशय की सूचना दी की सुबह 9 बजे वह अपने घर पर था, उसकी पानी की लेजम ब्रह्मचारी शर्मा की बोरिंग से करीब 2 साल से डली थी, करीब 6-7 माह से आलोक शर्मा ने उसके घर का पानी बंद कर दिया था तो उसने अपनी आधी लेजम काटकर रामहेत की बोरिंग से पानी लेना शुरू कर दिया था, जब वह अपनी आधी बची लेजम को लेने के लिए आलोक के घर पर गया तो वहां पर उसकी बची हुई लेजम नहीं थी, तब उसने आलोक व विवेक से कहा कि उसकी लेजम कहां है, क्या उन्होंने लेजम काट ली है तो इसी बात पर से वह उसे गालियां देने लगे। उसने कहा कि गालियां देना ठीक नहीं है, इसी बात पर आलोक ने अपनी कमर की दाहिनी तरफ पेंट से कट्टा निकाल कर उसे जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर फायर किया, जिसकी गोली उसके पेट में लगी, जिससे खून निकलने लगा। उसके पिता रघुवीर बचाने आए तो आरोपी विवेक ने उसके पिता को सर के बल पटक दिया, जिससे उसके पिता के सिर में चोट होकर खून निकलने लगा। गोली की आवाज सुनकर गांव वाले इकट्ठे हो गए। आलोक व विवेक गाली देते हुए बोले कि अबकी बार जान से मार देंगे। तत्पश्चात वह लोग इलाज करने के लिए अस्पताल मेहगांव आ गए। मृतक शिशुपाल कि उक्त सूचना पर से आरोपी आलोक व विवेक के विरुद्ध देहाती नालसी अंतर्गत धारा 307, 294, 323, 506, 34 भादवि लेखबद्ध कर आरोपियों के विरुद्ध थाना मेहगांव में अपराध क्र.64/2022 पंजीबद्ध कर अनुसंधान लिया गया। तदुपरांत अभियोग सत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में साक्षीगण के कथन कराए गए, अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर न्यायालय द्वारा विचारण पश्चात आरोपीगण आलोक शर्मा एवं विवेक शर्मा को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व 14 हजार रुपए की अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

पार्टी से ऊपर उठकर मेहगांव की एकता और समग्र विकास के लिए मिलकर काम करें : मंत्री शुक्ला

- मंत्री की उपस्थिति में मेहगांव में नए वरिष्ठ पार्षदों का हुआ शपथ ग्रहण, नवीन फायर ब्रिगेड का किया उद्घाटन

- विशाल तिरंगा रैली का आयोजन न केवल देशभक्ति का प्रतीक होगा, बल्कि सामूहिकता और नगर की एकता को भी प्रदर्शित करेगा

मेहगांव (निज संवाददाता)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला की उपस्थिति में नगर परिषद मेहगांव में शासन द्वारा नामित चार वरिष्ठ पार्षदों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नाथूराम पटसारिया, राजकुमारी जाटव, सुनील जैन और रामसेवक कुशवाह को नगर विकास एवं जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई गई। मंत्री शुक्ला ने नई जिम्मेदारियों के साथ पारदर्शिता, लोकहित और तेज़ कार्य कुशलता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर मंत्री राकेश शुक्ला ने मेहगांव में नवीन फायर ब्रिगेड का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि नवीन फायर ब्रिगेड के संचालन से आपातकालीन सेवाओं की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और तेजी से बचाव कार्य संभव होगा। यह पहल जनसुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की सरकार की निरंतर प्राथमिकता का प्रमाण है। उन्होंने पारदर्शिता, लोकहित और तेज कार्य कुशलता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नई जिम्मेदारियों के साथ जनता की सेवा सर्वोपरि होगी। उन्होंने पार्षदों से आग्रह किया कि वे पार्टी से ऊपर उठकर मेहगांव की एकता और समग्र विकास के लिए मिलकर काम करें।

मंत्री शुक्ला ने पार्षदों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से जनता से मिलें, महीने या 15 दिन में एक बार वार्ड में सार्वजनिक बैठकों का आयोजन करें और वरिष्ठ नागरिकों व स्थानीय हितधारकों से राय-मशिवरा लें। उनका कहना था कि जब पार्षद सक्रिय रूप से स्थानीय समस्याओं का समाधान करने लगेंगे, तब नागरिक सीधे उनकी ओर आएंगे और विकास संबंधी मांगें उठाएंगे। मंत्री ने पार्षदों से कहा कि वे केवल अपने-अपने वार्ड तक सीमित न रहें, बल्कि मेहगांव की सामूहिक जिम्मेदारी समझकर नगर के संपूर्ण विकास का चिंतन करें। मेहगांव के आर्थिक सशक्तिकरण पर भी मंत्री ने जोर दिया। उन्होंने बताया कि नगर परिषद की बनने वाली नई बिल्डिंग में लगभग 170 दुकानों का निर्माण होगा, जिससे परिषद की आय में वृद्धि होगी और यह स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। शुक्ला ने आश्वासन दिया कि राजस्व जुटाने की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी और पार्षद बस नगर के विकास के रचनात्मक विचार लाएं। उन्होंने पार्षदों से आग्रह किया कि नगर स्वच्छ रखें, हर वार्ड में पेड़ लगाएं और स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे नवाचारों को बढ़ावा दें। मंत्री ने आने वाले स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 13 अगस्त को मेहगांव में आयोजित होने वाली विशाल तिरंगा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि विशाल तिरंगा रैली का यह आयोजन न केवल देशभक्ति का प्रतीक होगा बल्कि सामूहिकता और नगर की एकता को भी प्रदर्शित करेगा। उन्होंने पार्षदों से अपेक्षा जताई कि वे जनसमुदाय को इस राष्ट्रीय उत्सव में जोड़ने का कार्य करें ताकि तिरंगे का सम्मान पूरे हर्षोल्लास के साथ किया जा सके।

मंत्री राकेश शुक्ला ने मेहगांव में आगे होने वाले नवाचारों और विकास योजनाओं के प्रति भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय स्वावलंबन के लिए अनुकूल है और सभी मिलकर नगर की समृद्धि और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। नए वरिष्ठ पार्षदों का शपथ ग्रहण और नवीन फायर ब्रिगेड का उद्घाटन मेहगांव के लिए नए युग की शुरुआत है, जहां जनसुविधा, सुरक्षा और आर्थिक विकास साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रोहित करैया, सीएमओ महेश पुरोहित, नप अध्यक्ष पति पिंटू राठौर, जिला मंत्री सुभाष राठौर, अमित पिंकी दांतरे, समस्त पार्षदगण, कर्मचारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा, स्वच्छता पखवाड़ा एवं नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के तहत भिण्ड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

भिण्ड (निज संवाददाता)। मेरा युवा भारत केन्द्र भिण्ड एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शा. उत्कृष्ट उमावि क्र.एक भिण्ड के संयुक्त तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान, स्वच्छता पखवाड़ा एवं नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अंतर्गत विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य पीएस चौहान, मेरा युवा भारत केन्द्र भिण्ड के जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू तथा रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धीरज सिंह गुर्जर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। साथ ही नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं एवं विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर कर नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम के आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले युवाओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें विद्यार्थियों एवं युवाओं ने अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। इसके पश्चात हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' एवं तिरंगे के सम्मान से जुड़े जयकारों से वातावरण देशभक्तिमय हो गया।

तिरंगा रैली एवं अन्य गतिविधियों को सफल बनाने में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक धर्मवीर सिंह, आस्था मिश्रा, सुनील कौशल, रीना कुमारी, आशीष सुमन, शिवम्, प्रतीक कौशल, चंचल कौशल, गौरव कौशल, रुद्रप्रताप आदि तथा रासेयो के स्वयंसेवक नृपेंद्र, गौतम, नीतेश, संध्या, उमा, महक, माया, पायल, आस्था, स्नेहा, प्रतीक्षा, छवि, रोशनी, अवनी, कृष्णा, आदित्य, ललित आदि ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रप्रेम, स्वच्छता, नशामुक्ति एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। आयोजन में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने स्वच्छ, स्वस्थ, नशामुक्त एवं विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत किया।

पूर्व छात्रों के साथ मिलकर ग्राम वासियों ने किया पौधरोपण

- ग्राम भारती का पर्यावरण पखवाड़ा

लहार (निज संवाददाता)। ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर विद्यालयों में हरियाली अमावस्या पर पूर्व छात्र परिषद द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अभियान में जिले के सभी विद्यालयों के भैया बहनों आचार्य परिवार पूर्व छात्र, पूर्व आचार्य, संयोजक मण्डल जिला समिति पदाधिकारी एवं ग्रामीण जनों ने मिलकर पौधारोपण किया। उपरांय के उन्नत कृषक प्रमोद सिंह दांगी ने अपने परिवार के साथ मिलकर एक हजार पौधे लगाए। जिले में 15 अगस्त तक पर्यावरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत लोगों में विशेष रूप से छात्र छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना मुख्य उद्देश्य है। पंच परिवर्तन में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण आयाम है।

ग्राम पंचायत चौम्हो में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

- तिरंगे की आन-बान-शान में उमड़ा जनसैलाव

भिण्ड (निज संवाददाता)। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन के दिलों में प्रज्वलित करने के उद्देश्य से बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अटेर जनपद की ग्राम पंचायत चौमे में भव्य तिरंगा यात्रा झंडा रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अटेर जनपद के ग्राम पंचायत चौम्हो से शुरू होकर मुख्य मार्गों से गुजरी इस विशाल रैली में सैकड़ों स्कूली छात्र-छात्राओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर पदयात्रा की। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारों से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। यात्रा जिस मार्ग से भी गुजरी, स्थानीय निवासियों ने पुष्पवर्षा कर प्रतिभागियों का स्वागत किया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बढ़ाई शोभा

इस गरिमामयी आयोजन में सीईओ जिला पंचायत भिण्ड वीरसिंह चौहान एवं डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीईओ अटेर कविता यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर रैली की अगुवाई की और नागरिकों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः सी/341/हाल्ट/एन.आई.टी/2026 दिनांकः 06.08.2026
विज्ञापन संख्या-08/2026

हाल्ट ठेकेदार नियुक्ति हेतु विज्ञापन

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित हाल्ट स्टेशनों को कमीशन के आधार पर टिकटों की बिक्री हेतु ठेका, कार्य आरंभ करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए आवंटित करने हेतु हाल्ट ठेकेदार की नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं-

क्र0	हाल्ट स्टेशन का नाम	रेल खंड का नाम	कार्य आरंभ करने की तिथि
1.	टीला	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
2.	रामपुरा	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
3.	मवई	ललितपुर-खजुराहो	आवंटन तिथि से
4.	भटपुरा	ग्वालियर-कैलारस	आवंटन तिथि से
5.	नूराबाद	ग्वालियर-मुरैना	आवंटन तिथि से
6.	भदरौली	ग्वालियर-भिंड	आवंटन तिथि से
7.	रिठौराकलां	ग्वालियर-भिंड	आवंटन तिथि से
8.	असोखंर	ग्वालियर-भिंड	आवंटन तिथि से
9.	बिनौर	उरई-भीमसेन	आवंटन तिथि से
10.	तिलौंची	उरई-भीमसेन	आवंटन तिथि से

उम्मीदवार हाल्ट ठेकेदार के आवेदन हेतु निर्धारित फार्म सभी नियम व शर्तों सहित **रू0 1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रू0 मात्र)** का भुगतान कर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी के कार्यालय से **दिनांकः 09.09.2026** तक किसी भी कार्य दिवस में **सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे** तक प्राप्त कर सकते है। आवेदनकर्ता उत्तर मध्य रेल वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर भी आवेदन फॉर्म प्रयोग कर सकते हैं इसके लिए उन्हें **आवेदन फॉर्म का मूल्य रू 1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रू मात्र) डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक जो कि राष्ट्रीकृत/अधिसूचित बैंक द्वारा जारी किया गया हो के रूप में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक उत्तर मध्य रेल झाँसी** के पक्ष में या मनी रसीद संलग्न करना होगा। बिना निर्धारित मूल्य के प्राप्त आवेदन को निरस्त कर दिया जायेगा। पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र **दिनांकः 10.09.2026 को समय 14:00 बजे** तक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे झाँसी के कार्यालय में लिफाफे के अन्दर रखकर जिस पर आवेदक अपना नाम, पता तथा जिस हाल्ट स्टेशन हेतु आवेदन किया है उसका नाम स्पष्ट रूप से लिखकर प्राप्त किये जायेंगे। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्रों का सील बंद बॉक्स **दिनांकः 10.09.2026 को 15:00 बजे** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय में खोला जायेगा। आवेदक यदि चाहे तो सील बॉक्स खोलते समय उपस्थित रह सकते हैं। 1856/26(K)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

जिला पुलिस बल भिण्ड ने किया तिरंगा बाइक रैली का आयोजन

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिला पुलिस बल भिण्ड द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिरंगा मोटर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा एवं एएसपी प्रदीप पटेल ने किया। पुलिस परेड ग्राउण्ड भिण्ड से एसपी एवं एएसपी ने हरी झण्डी दिखाकर तिरंगा मोटर साइकिल रैली को रवाना किया। रैली पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारंभ होकर लहार चौराहा, गौरी सरोवर, शास्त्री चौराहा, इन्दिरा गांधी चौराहा एवं एमजेएस कॉलेज होते हुए पुलिस लाइन भिण्ड पहुंची, जहां रैली का समापन किया गया। तिरंगा मोटर साइकिल रैली में एसपी एवं एएसी सहित सीएसपी निरंजन राजपूत, एसडीपीओ अटेर रविन्द्र वास्कले, एसडीपीओ मेहगांव संजय कोच्छा, एसडीओपी गोहद महेन्द्र गौतम सहित समस्त थाना प्रभारियों एवं जिला पुलिस बल के अधिकारी-कर्मचारियों एवं मीडिया बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुलिस जवानों ने हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। रैली के दौरान आमजन में राष्ट्रप्रेम, एकता, अखण्डता एवं देश के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करने का संदेश दिया गया।

'हर घर तिरंगा' अभियान अंतर्गत जिला मुख्यालय पर विशाल तिरंगा रैली कल

-रैली के सफल आयोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने अधिकारियों ने रूट का किया निरीक्षण

- रास्ते में अवरोध को हटाने दिए निर्देश

भिण्ड (निज संवाददाता)।'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत 14 अगस्त को सुबह 9 बजे से जिला मुख्यालय पर विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जन प्रतिनिधि, नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी, शासकीय/अशासकीय स्कूल के छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवी संस्थाएं सहभागिता करेंगे। तिरंगा रैली का आयोजन खण्डा रोड से प्रारंभ होकर सदर बाजार से गोल मार्केट होते हुए किला गेट पर समापन किया जाएगा।

आयोजन के सफल एवं गरिमामय संचालन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड वीरसिंह चौहान ने अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय, अपर कलेक्टर एवं सीएमओ भिण्ड राजन बी नाडिया, एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा एवं सीएसपी भिण्ड के साथ रैली के रूट का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने वाली सामग्री तथा अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए।

तिरंगे की छटा से अद्भुत नजर आएगा बड़ा तालाब, सैकड़ो नावों से निकलेगी नौका तिरंगा यात्रा

देश में पहली बार तालाब के बीच बनेगा फ्लोटिंग तिरंगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में बोट क्लब, बड़े तालाब पर होगा भव्य आयोजन

भोपाल (निज संवाददाता)। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्राओं की श्रृंखला में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 13 अगस्त को विशाल नौका तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में यह यात्रा सुबह 11 बजे बोट क्लब, बड़े तालाब से प्रारंभ होगी।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने बताया कि इस भव्य आयोजन में सैकड़ों नावें तिरंगे के साथ शामिल होंगी और हजारों देशभक्त नागरिक तिरंगा यात्रा का हिस्सा बनेंगे। बड़े तालाब का जल क्षेत्र तिरंगे की छटा से सराबोर होगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर पूरे देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। भोपाल की बड़ी झील के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच नौका तिरंगा यात्रा का आयोजन भोपाल के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि 'नभ से लेकर जल तक हर जगह तिरंगा लहराए, यही हमारा लक्ष्य है।' भारत माता वैभव परम तक पहुंचे और देश का प्रत्येक नागरिक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो, इसी उद्देश्य से यह भव्य यात्रा आयोजित की जा रही है।

मंत्री श्री विश्वास सारंग ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

नौका तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री श्री विश्वास सारंग ने जिला प्रशासन, खेल विभाग के अधिकारियों, पुलिस एवं एसडीआरएफ के अधिकारियों के साथ बोट क्लब एवं बड़े तालाब क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात, नावों के संचालन, गोताखोरों एवं एसडीआरएफ की तैनाती, पार्किंग, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन में शामिल होने वाले नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण की जाएं।

सैकड़ों नावों पर लहराएगा तिरंगा नौका तिरंगा यात्रा में विभिन्न नावों पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ प्रतिभागी शामिल होंगे। बड़े तालाब के जल क्षेत्र में तिरंगे से सजी सैकड़ों नावों का भव्य दृश्य देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रदर्शित करेगा। आयोजन में युवाओं, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी।

देश में पहली बार तालाब के बीच बनेगा फ्लोटिंग तिरंगा

भोपाल के बड़े तालाब में देशभक्ति का अनूठा और भव्य नजारा देखने को मिलेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश में पहली बार तालाब के बीच फ्लोटिंग तिरंगा तैयार किया जाएगा। बड़ी संख्या में नावों और तिरंगे के साथ विशेष फॉर्मेशन तैयार कर जल सतह पर विशाल तिरंगे का स्वरूप प्रदर्शित किया जाएगा। यह अनूठा आयोजन देशभक्ति, एकता और राष्ट्रगौरव का संदेश देगा तथा भोपाल के बड़े तालाब से निकलने वाली नौका तिरंगा यात्रा का प्रमुख आकर्षण बनेगा।

मंत्री श्री सारंग ने प्रदेशवासियों से इस ऐतिहासिक और भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया है।

ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश से मध्यप्रदेश बनेगा आत्मनिर्भर,15 हजार से अधिक रोजगार होंगे सृजित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

टोरेंट ग्रुप प्रदेश में 43 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कर रहा है निवेश

अनूपपुर में 22 हजार करोड़ के निवेश से 1600 मेगावाट की ताप विद्युत परियोजना का निर्माण जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन श्री समीर मेहता से की मुलाकात

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में टोरेंट ग्रुप द्वारा प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। टोरेंट ग्रुप की संचालित एवं विकासाधीन विभिन्न परियोजनाओं से प्रदेश में 43 हजार करोड़ रूपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है, जिससे 15 हजार से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट ग्रुप एवं टोरेंट पावर लिमिटेड के चेयरमैन श्री समीर मेहता से भेंट एवं उच्चस्तरीय विचार-विमर्श के बाद कही।इस दौरान आद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, सचिव श्री जॉन किंसले और एमडी, एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला उपस्थित रहे।

अनूपपुर में 22 हजार करोड़ रुपए की 1,600 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना : राज्य की दीर्घकालिक विद्युत आपूर्ति एवं बेसलोड क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए अनूपपुर जिले में टोरेंट पावर द्वारा 1,600 मेगावाट क्षमता की अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना स्थापित की जा रही है। लगभग 22,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली इस परियोजना से लगभग 7000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (MPPMCL) के साथ 27 जनवरी 2026 को पावर परचेज एग्रीमेंट (PPA) निष्पादित किया जा चुका है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो चुका है और एलएंडटी और टाटा प्रोजेक्ट्स जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं को कार्य आवंटित कर दिए गए हैं। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त होने के साथ ही वर्तमान में स्थल पर प्री-कंस्ट्रक्शन गतिविधियां तेजी से जारी हैं।

पंप्ड स्टोरेज, पवन ऊर्जा और अतिरिक्त थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स का विस्तार : हरित ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा देने के क्रम में छिंदवाड़ा जिले में 1,500 मेगावाट क्षमता की पातालकोट पंप्ड स्टोरेज परियोजना पर कार्य चल रहा है, जिसमें 7,500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग 4,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त रतलाम एवं उज्जैन में 250 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना विकासाधीन है, जिसमें 2,000 करोड़ रुपए का निवेश और 500 रोजगार शामिल हैं। मंदसौर में समूह की 36 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा इकाई पूर्व से सफलतापूर्वक संचालित है। साथ ही टोरेंट ग्रुप द्वारा 800 मेगावाट क्षमता की एक और अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर परियोजना पर भी कार्य किया जा रहा है, जिसमें 11,000 करोड़ रुपए के निवेश से 3,500 रोजगार मिलने का प्रावधान है।

भावी ऊर्जा जरूरतों के लिए 2,800 मेगावाट की छ्क्स्न्ह्ल निविदा में आमंत्रण : राज्य की बढ़ती विद्युत मांग तथा भविष्य की विश्वसनीय विद्युत उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (ष्टश्व) द्वारा वर्ष 2036-37 तक राज्य को लगभग 1,900 मेगावाट अतिरिक्त ताप विद्युत आवश्यकता का आंकलन किया गया है। इसके दृष्टिगत राज्य सरकार द्वारा कुल 2,800 मेगावाट ताप विद्युत क्षमता के क्रय हेतु छ्क्स्न्ह्ल (डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट) आधार पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोरेंट पावर को इस विशाल निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

पीथमपुर में फार्मा इकाई का सफल संचालन और समूह का वैश्विक विज़न : ऊर्जा क्षेत्र के साथ टोरेंट ग्रुप द्वारा धार जिले के पीथमपुर में स्स्रष्ठ अनुमोदित अत्याधुनिक फार्मा विनिर्माण इकाई का सफल संचालन किया जा रहा है। 300 करोड़ रुपए के निवेश से संचालित इस इकाई से 400 से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोरेंट पावर की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 5.1 गीगावाट है और कंपनी वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। टोरेंट ग्रुप का यह बहुआयामी निवेश मध्यप्रदेश के सर्वांगीण औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा।

ऊर्जा, फार्मा और सिटी गैस क्षेत्र में सक्रिय है टोरेंट ग्रुप

अहमदाबाद स्थित टोरेंट ग्रुप देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों में शामिल है। समूह की गतिविधियां ऊर्जा, फार्मास्युटिकल्स और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हैं। समूह की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोरेंट पावर विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 5.1 गीगावाट है। कंपनी वर्ष 2030 तक लगभग 10 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने के लक्ष्य के साथ सौर, पवन, हाइब्रिड, बैटरी स्टोरेज एवं पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं में निवेश कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल में करेंगे ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस पर पंचायतों से जिलों तक में होंगे गरिमामय आयोजन

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर 15 अगस्त 2026 को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। पुलिस, एस.ए.एफ., सी.आई.एस.एफ., जेल गार्ड, होम गार्ड, एन.सी.सी. एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संयुक्त परेड द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया जाएगा। मुख्य समारोह के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धाजंलि दी जायेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य स्तर के साथ ही जिला, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय रूप से आयोजित करने के लिए परिपत्र जारी किया है।

स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रमों की रूपरेखा

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को राज्य स्तर, जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम होंगे। जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9:00 बजे से किया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष/ मंत्रीगण और कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉं.यादव द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन प्रातः 9:25 से 9:55 बजे तक किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण राज्य स्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से जिला स्तर पर किया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह में विधानसभा अध्यक्ष / मंत्रीगण और कलेक्टर द्वारा संक्षिप्त लिखित बधाई संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद पंचायत मुख्यालय में जनपद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा समारोह में सामूहिक राष्ट्रगान गाया जाएगा। ऐसी नगर पालिका/नगर परिषद जिनका मुख्यालय ब्लाक मुख्यालय पर नहीं है, उनमें अध्यक्ष, नगर पालिका/नगर परिषद द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और समारोह में राष्ट्रगान गाया जाएगा। साथ ही पंचायत मुख्यालय में सरपंच द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और समारोह में राष्ट्रगान गाया जाएगा।

जिले से संबंधित सभी संसद सदस्य , विधायक गण, महापौर, पार्षद एवं अन्य गणमान्य नागरिकों को सम्मान पूर्वक स्वतंत्रता दिवस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों/शिक्षण संस्थाओं में पूर्व वर्ष अनुसार प्रातः 8:00 बजे या उसके पूर्व ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बाद में सांस्कृतिक/साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी शिक्षण संस्थाओं में मौसम का ध्यान रखते हुए प्रभातफेरी का आयोजन किए जाने के लिए कहा गया है।

विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कॉलेज/स्कूल में खेल कूद, अन्य प्रकार के कौशलों का प्रदर्शन अन्तर्विद्यालय, अन्तर महाविद्यालय स्तर पर वाद विवाद प्रतियोगिताएं, 15 अगस्त के महत्व पर चुने हुए छात्र-छात्राओं द्वारा वार्ता, राष्ट्रीय एकता, लघु बचत, जनसंख्या स्थिरीकरण, स्वच्छता अभियान एवं पुरस्कारों/ प्रमाण पत्रों / मेडल आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से सम्पन्न कराने में वन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाएगा। स्कूल/कालेजों में जिला/संभाग एवं राज्य स्तर पर राष्ट्रीय एकता के समूह गान आयोजित किये जायेंगे। जिला मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दौड का आयोजन किया जाएगा।

विभिन्न समारोहों में ध्वनि विस्तार यंत्र (लाउड स्पीकर) का उपयोग किया जायेगा और उस पर देशभक्ति से प्रेरित गीत का प्रसारण किया जाएगा। विभिन्न समाचार पत्रों में स्वतंत्रता दिवस पर जारी किए जाने वाले विज्ञापनों को स्वतंत्रता संग्राम के संदेशों पर केन्द्रित किया जाएगा एवं विज्ञापनों को इस प्रकार नियोजित किया जाएगा कि 15 अगस्त 2026 को प्रदेश के समाचार पत्रों में शहीदों तथा विशेष रूप से मध्यप्रदेश के शहीदों के सम्बन्ध में संदेश प्रसारित हो। कार्यक्रमों में प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएगी।

शासकीय भवनों एवं इमारतों में की जायेगी प्रकाश की व्यवस्था

स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर प्रदेश में स्थित समस्त शासकीय भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर 14 एवं 15 अगस्त 2026 की रात में प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी।

शहीद हुए सैनिकों के परिवारों को किया जायेगा आमंत्रित

सामान्य प्रशासन विभाग ने निर्देश दिए हैं कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों एवं प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जाए एवं वृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को जिला कलेक्टर अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि घर जाकर शाल, श्रीफल से सम्मानित करेगें।

एचआईव्ही एड्स सघन जागरूकता अभियान के तहत बाईक रैली का हुआ शुभारंभ

(सीएमएचओ ने बाईक रैली को हरी झंडी दिखा किया शुभारंभ)

(12 अगस्त 2026 से 12 अक्टूबर 2026 तक सघन चलेगा सघन जागरूकता अभियान)

अशोक सोनी जिला ब्यूरो
9977699599

ग्वालियर - कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन किया जा रहा है इसी तारतम्य में शासन के आदेशानुसार ग्वालियर जिले में दिनांक 12 अगस्त 2026 से 12 अक्टूबर 2026 तक एचआईव्ही एड्स सघन जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है ।

इसी तारतम्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर डॉक्टर एम एस सागर ने 12 अगस्त 2026 को बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारम्भ किया इस अवसर पर डॉ0 विजय पाठक जिला क्षय अधिकारी जिला क्षय केन्द्र ग्वालियर ग्वालियर उपस्थित थे। यह रैली जिला क्षय केन्द्र से प्रारम्भ होकर जेएएच केम्पस कटोराताल रोड थीम रोड ओल्ड हाई कोर्ट रोड होते हुये वापस जिला क्षय केन्द्र पर समाप्त हुई।

जिला क्षय अधिकारी डॉ. विजय पाठक जिला ने बताया कि सघन जागरूकता अभियान में विभिन्न गतिविधियों को जिले, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर आयोजित किया जाएगा,

खुले चेंबर में बाइक समेत गिरे पार्षद, बाल-बाल बचे

संवाददाता पंकज श्रीवास

विजयपुर। नगर परिषद कार्यालय के सामने शुक्रवार को बड़ा हादसा टल गया। वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद एवं अग्रवाल महासभा जिला अध्यक्ष मनोज खजांची बाइक समेत खुले नल के चेंबर में जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें चेंबर से बाहर निकाला। इसके बाद पार्षद को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। बताया गया कि हादसे में वे बाल-बाल बच गए।

खुले चेंबर ने खोली व्यवस्था की पोल

बस स्टैंड और नगर परिषद कार्यालय जैसे व्यस्त क्षेत्र में खुले चेंबर में पार्षद के बाइक समेत गिरने की घटना ने नगर परिषद की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने खुले चेंबर को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब व्यस्त इलाके में ही चेंबर असुरक्षित पड़े हैं तो आम राहगीरों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि रात के समय खुले चेंबर और भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। ऐसे में शहर के सभी खुले और क्षतिग्रस्त चेंबरों को चिन्हित कर तत्काल सुरक्षित कराने की जरूरत है।

बड़ा हादसा टला, जिम्मेदारी पर सवाल

पार्षद एवं अग्रवाल महासभा जिला अध्यक्ष मनोज खजांची के चेंबर में गिरने से फिलहाल बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस घटना ने नगर परिषद की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि खुले चेंबरों को तत्काल ढकवाया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रभावी कदम उठाए जाएं।

हरियाली अमावस्या पर एक साथ 5000 पौधे रोपे

ग्वालियर पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर ग्वालियर में विशाल पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगणों, वरिष्ठ अधिकारियों, आमजनों, समाजसेवी संस्थाओं व शैक्षणिक संस्थानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आगरा-झांसी बायपास स्थित रमौआ बांध के समीप बन रहे नवीन ई-बस स्टैंड एवं होटल मैरियट के पास 'एक पेड़ माँ के नाम' एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से एक ही दिन में साझा प्रयासों से लगभग 5000 पौधे रोपे गए।

इस दौरान 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जनप्रतिनिधिगणों, आम नागरिकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों ने एक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर घर-घर में तिरंगा लहनाने का संदेश दिया। साथ ही विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण और देशभक्ति पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

हरियाली अमावस्या पर पुनीत उद्देश्य के साथ आयोजित हुए सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर व पार्षदगण, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, सामाजिक व शैक्षणिक संगठनों के प्रतिनिधिगण एवं शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। ग्वालियर को स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में आज का यह 5000 पौधों का रोपण एक ऐतिहासिक कदम है। केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें एक बच्चे की तरह पाल-पोसकर बड़ा करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। नगर निगम यह सुनिश्चित करेगा कि आज रोपे गए सभी पौधे सुरक्षित रहें और फलें-फूलें।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि हरियाली अमावस्या का यह पर्व हमें सीधे प्रकृति से जोड़ता है। जिला प्रशासन और नगर निगम के साथ मिलकर आमजनों, युवाओं और बच्चों ने जिस उत्साह के साथ इस महाअभियान में सहभागिता की है, वह प्रशंसनीय है। आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा और बेहतर पर्यावरण देने के लिए ऐसे वृहद पौधरोपण अभियान अत्यंत आवश्यक हैं। प्रशासन इस क्षेत्र को एक सुंदर ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पौधरोपण की संख्या हासिल करना नहीं है, बल्कि पौधों के जीवित रहने की दर को 100 प्रतिशत तक ले जाना है। इसके लिए रमौआ बांध के पास समर्पित कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है, जो नियमित रूप से पौधों की खाद, पानी और सुरक्षा का ध्यान रखेंगे।